शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 195 | गुवाहाटी | मंगलवार, 13 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8+12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

संदेशखाली के मुद्दे पर बंगाल विस में हंगामा, छह भाजपा विधायक निलंबित पेज 2

प्रदेश भाजपा ने असम सरकार के बजट का किया स्वागत पेज 3

कांग्रेसी मजबूरी में राहुल गांधी को ढोने का काम कर रहे : कौशल किशोर पेज 5

मैराथन में इतिहास रचने वाले केल्विन की 24 साल की उम्र में मौत, सड़क ... पेज 7

असम विस में 774.47 करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश

वित्त मंत्री ने विकास के लिए कई योजनाओं का जिक्र किया

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा के बजट सत्र के छठे दिन सोमवार को राज्य की वित्त मंत्री अजंता नेओग ने वर्ष 2024-25 के लिए 774.47 करोड़ रुपए के घाटे का बजट पेश किया। 109 पृष्ठों के बजट प्रस्ताव में वित्त मंत्री ने राज्य के विकास के लिए कई नई योजनाओं का जिक्र किया। 2024-25 के बजट अनुमान में राज्य की समेकित निधि के तहत 1,43,605.56 करोड़ रुपए की प्राप्ति दर्शायी गई है। इसमें से 1,11,943.84 करोड़ रुपए राजस्व खाते से तथा शेष 31,661.73 करोड़ रुपए पूंजी खाते से समाहित किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि विभिन्न स्रोतों से समेकित निधि में अनुमानित 1,44,550.08 करोड़ रुपए सार्वजनिक खाते से और आकस्मिकता निधि से 2,000.00 करोड़ रुपए की प्राप्ति को जोड़ने के बाद, कुल प्राप्तियां 2,90,155.65 करोड़ रुपए है। इसके विपरीत, 2024-25 में राज्य की समेकित निधि से कुल व्यय 1,43,890.62 करोड़ रुपए होने का अनुमान है, जिसमें 1,10,091.86 करोड़ रुपए राजस्व खाते पर तथा 33,798.76 करोड़ रुपए पूंजी खाते पर खर्च किया जाएगा। 2024-25 के दौरान समेकित निधि से अनुदान-वार -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणोदय योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़ाकर 30 लाख की जाएगी

गुवाहाटी (हिंस)। अरुणोदय योजना के लाभार्थियों की संख्या बढ़ाकर 30 लाख की जाएगी। उल्लेखनीय है कि अरुणोदय-2.0 का रेंज बढ़ाकर अधिक लोगों को कवर करने के लिए पिछले साल के संकल्प के अनुरूप राज्य भर में लॉन्च किया गया। इस योजना के तहत, राज्य की अंत्योदय प्राप्त करने वाली महिलाओं के अलावा, तीसरे लिंग के व्यक्तियों और दिव्यांगों को लाभ पहुंचाना सुनिश्चित किया जा रहा है। अरुणोदय योजना जरूरतमंद सदस्यों वाले परिवारों को कवर करेगी। इसमें मस्तिष्क पक्षाघात, थैलेसीमिया, हीमोफिलिया, कुष्ठ रोग या ऑटिज्म स्पेक्ट्रम विकारों से पीड़ित सदस्यों के परिवार भी शामिल होंगे। 27 लाख से अधिक लाभार्थियों को शामिल करके योजना का दायरा बढ़ाया गया है। लाभार्थियों को हर महीने की 10 तारीख को सीधे उनके बैंक खातों में 1,250 रुपए मिलते हैं। इस योजना के तहत, सरकार ने इस वर्ष 2.5 लाख अतिरिक्त लाभार्थियों को कवर करने का निर्णय लिया है। इससे अरुणोदय योजना -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य में भी लागू होगा यूसीसी, सीएम शर्मा बोले-

मजबूत कानून बनाने पर कर रहे काम

गुवाहाटी। उत्तराखंड में यूसीसी कानून आने के बाद अब एक और भाजपा शासित राज्य में इसे लाए जाने की तैयारी नजर आ रही है। जिस बात की ताकीद खुद सूबे के मुख्यमंत्री ने कर दी है। मीडिया से बात करते हुए असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि हम बहुविवाह और यूसीसी के लिए मजबूत कानून बनाने पर काम कर रहे हैं। इससे पहले असम राज्य कैबिनेट ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक पेश करने पर चर्चा की थी। हालांकि मंत्री जयंत मल्लबरुआ के अनुसार, बैठक में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया। यूसीसी शाम को होने वाली राज्य कैबिनेट में चर्चा के महत्वपूर्ण मुद्दों में से एक होने की बात पहले से ही कही जा रही थी। कहा गया कि यूसीसी में आदिवासियों के लिए कुछ छूट हो सकती है। असम बजट 2024-25 पर सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि जब भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा, तो असम एक आश्रित राज्य नहीं हो सकता। यह बजट कहता है कि हम विकास के लिए जो कुछ भी कर सकते हैं वह योगदान देंगे। असम की वित्त मंत्री अजंता नेउग ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 2.9 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट में 774.47 करोड़ रुपए के घाटे का अनुमान लगाया गया -शेष पृष्ठ दो पर

अब घर की छतों पर सोलर पावर सिस्टम लगाना होगा अनिवार्य

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य में नया घर बनाने वालों के लिए असम सरकार नए नियम ला रही है। सरकार ने राज्य में घर या आफिस की छत पर अनिवार्य रूप से सौर ऊर्जा सिस्टम लगाने का कानून बनाने जा रही है। सोमवार को राज्य के वित्त मंत्री अजंता नेओग ने वर्ष 2024-25 के लिए असम सरकार का बजट पेश किया। वित्त मंत्री का बजट राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोगों के लिए आशा की किरण लेकर आया है। इस वर्ष के बजट में कई -शेष पृष्ठ दो पर

एनआरसी में संग्रहित बॉयोमेट्रिक्स नहीं खोल सकती असम सरकार : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के तहत संग्रहित किए गए बॉयोमेट्रिक्स के डाटा को असम सरकार नहीं खोल सकती है। मुख्यमंत्री आज असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के छठे दिन सदन में कांग्रेस विधायक कमलाक्ष्य दे पुरकायस्थ के एनआरसी बॉयोमेट्रिक्स से संबंधित सवाल का जवाब देते हुए उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि एनआरसी का मसौदा जब उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन था, तब न्यायालय ने असम सरकार को 27 लाख लोगों के बॉयोमेट्रिक्स एकत्रित करने का निर्देश दिया था। जिसके तहत सरकार ने बॉयोमेट्रिक्स एकत्र किया था। उच्चतम न्यायालय ने 13 अगस्त, 2019 को एक आदेश पारित -शेष पृष्ठ दो पर

फारूक अब्दुल्ला को ईडी का समन

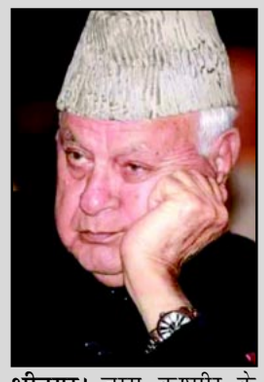

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के दिग्गज नेता और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तलब किया है। लोकसभा में श्रीनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले 86 वर्षीय व्यक्ति को पिछले महीने इसी मामले में तलब किया गया था। वह गर्मियों में होने वाले राष्ट्रीय चुनावों से पहले पूछताछ के लिए बुलाए गए नवीनतम विपक्षी नेता हैं। इस मामले में जम्मू-कश्मीर क्रिकेट एसोसिएशन से संबंधित धन की कथित हेराफेरी शामिल है, जिसे स्पष्ट रूप से एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित विभिन्न लोगों के व्यक्तिगत बैंक खातों में स्थानांतरित किया जा रहा था। 2001 से 2012 के बीच, बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड) ने जम्मू-कश्मीर में क्रिकेट के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

नीतीश सरकार ने जीता विश्वास मत, समर्थन में पड़े 129 वोट

पटना (हि.स.)। बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। मतदान से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े। विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा। नीतीश कुमार की सरकार के विश्वास मत पर वोटिंग से पहले विपक्ष ने सदन का बहिष्कार कर दिया। इसके बाद सीएम नीतीश के कहने पर उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी ने पक्ष में विधायकों को खड़ा होने कहा और उनकी गिनती -शेष पृष्ठ दो पर

बड़ी कूटनीतिक जीत : कतर से रिहा किए गए आठ पूर्व भारतीय नौ सैनिक

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत को एकबार फिर बड़ी कूटनीतिक जीत मिली है। कतर की जेल में बंद भारतीय नौसेना के सभी आठ पूर्व नौ सैनिकों को रिहा कर दिया गया है जिनमें से सात नौ सैनिक वापस लौट चुके हैं। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में इसकी जानकारी दी गई है। ये आठों पूर्व नौसैनिक जासूसी के आरोप में कतर की जेल में बंद थे। अदालत ने इन्हें मौत की सजा सुनाई थी। जिसके बाद भारत के लिए इनकी रिहाई बड़ी चुनौती बनी हुई थी। भारत के अनुरोध पर कतर के अमीर ने पहले ही इन नौसैनिकों की मौत की सजा को कम करते हुए उम्रकैद में बदल दिया था। अब अमीर के आदेश पर -शेष पृष्ठ दो पर

नए भारत में हर जान कीमती : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने सोमवार को नौसेना के पूर्व अधिकारियों के कतर से सकुशल घर वापसी पर खुशी जाहिर की और इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का आभार प्रकट किया। पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा कि नए भारत में हर भारतीय की जान बेशकीमती है। कतर से भारत लौटे देश के वीर -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
दोषहीन कार्यों का होना दुर्लभ होता है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

बहुमंजिला मकान में लगी आग, तीन बहनें जिंदा जली

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में रामबन जिले के एक सुदूर गांव में एक मकान में आग लगने से सोमवार को तीन बहनों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उखराल मंडल के धनमस्ता-तजनीहाल गांव में तीन मंजिला मकान में सोमवार सुबह आग लग गई। उन्होंने बताया कि घटना के वक्त बिस्मा (18), -शेष पृष्ठ दो पर

मनीष सिसोदिया को मिली तीन दिन की अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। मनीष सिसोदिया को दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में कोर्ट ने तीन दिन की अंतरिम जमानत दी है। उन्हें यह जमानत 13 से 15 फरवरी तक लखनऊ में अपनी भतीजी की शादी समारोह में शामिल हने के लिए मिली है। बता दें कि मनीष सिसोदिया दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। उन्हें दिल्ली एक्साइज पॉलिसी मामले में -शेष पृष्ठ दो पर

हमें अब एकता और सद्भाव के साथ करना होगा राष्ट्र का निर्माण : भागवत

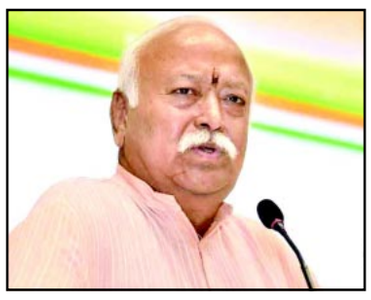

नई दिल्ली। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने सोमवार को लोगों से एकता, अहिंसा और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत में दर्शन का उच्चतम स्तर है और दुनिया अपनी समस्याओं के समाधान के लिए हमारी ओर देख रही है। भागवत ने जैन तीर्थंकर महावीर के 2550वें *निर्वाण* वर्ष के उपलक्ष्य में यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दुनिया के विभिन्न हिस्सों में लोग अपनी भौतिकवादी जीवन शैली के कारण पीड़ित हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद से भारत की ओर देख रही है, क्योंकि उन्हें एहसास हो गया है कि उनकी भौतिकवादी जीवन शैली उन्हें वह खुशी नहीं देती जो हर कोई चाहता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भौतिकवादी चीजों में कोई खुशी नहीं है। भागवत ने कहा कि सभी के साथ सौहार्दपूर्वक रहें, अहिंसा का पालन करें, धैर्य -शेष पृष्ठ दो पर

इमरान को झटका

नवाज को पांच निर्दलीय सांसदों का मिला समर्थन

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के पांच और नवनिर्वाचित निर्दलीय सांसदों ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पीएमएल-एन में शामिल होने का फैसला किया। हाल में हुए चुनाव में किसी भी दल को बहुमत नहीं मिलने के बाद शरीफ गठबंधन सरकार बनाने के प्रयास कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी समर्थित निर्दलीय सांसद ने पाकिस्तान मुस्लिम -शेष पृष्ठ दो पर

हमास का दावा- इजराइली नरसंहार में सौ की मौत, 14 लाख फिलीस्तीनियों ने छोड़ा घर

गाजा सीटि। अमेरिका की चेतावनी के बावजूद इजराइल द्वारा गाजा पट्टी के दक्षिणी शहर रफा में सोमवार सुबह कई हमले किए गए। हमास ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि रफा शहर पर नाजी कब्जे वाली सेना का हमला नागरिकों और विस्थापित बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों के खिलाफ भयानक नरसंहार है जिसमें अब तक 100 से अधिक लोगों की जान चली गई है। हमास ने दावा किया है कि दक्षिणी गाजा शहर रफा पर इजरायल का हमला फिलिस्तीनी लोगों के खिलाफ छेड़े गए *नरसंहार युद्ध* और जबरन विस्थापन के प्रयासों की निरंतरता है। रफा शहर पर दुश्मन की आतंकवादी सेना का हमला एक संयुक्त अपराध है और हमारे लोगों के खिलाफ किए जा रहे नरसंहारों के दायरे का विस्तार है। हमास ने कहा कि चार महीने से जारी इजराइल-हमास युद्ध में गाजा पट्टी में यह शहर जिन -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा ने पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में डेढ़ गुना अधिक सरकारी नौकरियां दीं : पीएम

नई दिल्ली (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में डेढ़ गुना अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि हमने भारत सरकार में भर्ती की प्रक्रिया को अब पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है। प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त युवाओं को 1 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। यह रोजगार मेला देशभर में 47 स्थानों पर आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने रिमोट का बटन दबाकर नई दिल्ली में इंटीग्रेटेड ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स *कर्मयोगी भवन* के प्रथम चरण की आधारशिला भी रखी। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताते हुए कहा कि इस नए ट्रेनिंग कॉम्प्लेक्स से क्षमता निर्माण की हमारी पहल को और मजबूती मिलेगी। यह परिसर मिशन कर्मयोगी के विभिन्न हिस्सों के बीच सहयोग और तालमेल को बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर पर सभी एक लाख से अधिक नवनियुक्त युवाओं और उनके परिवारों को सरकारी नौकरी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आपने अपनी कड़ी मेहनत से इस सफलता को हासिल किया है। रोजगार मेले राष्ट्र निर्माण में हमारी युवा शक्ति के -शेष पृष्ठ दो पर

पुलिस ने स्कूटी पर लगाया 3.2 लाख रुपए का जुर्माना

बेंगलुरु। बेंगलुरु ट्रैफिक पुलिस ने शहर के सुदामा नगर निवासी के दोपहिया वाहन पर 3.2 लाख रुपए का भारी जुर्माना लगाया है। पुलिस ने शख्स को जल्द से जल्द बकाया चुकाने को कहा और लंबित जुर्माना नहीं भरने पर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में टू-व्हीलर स्कूटर पर कई उल्लंघन के मामले सामने आए हैं। स्कूटर पर कुल 350 उल्लंघनों की जानकारी दी है, जिसमें गलत लेन में गाड़ी चलाना, हेलमेट न पहनना, गाड़ी चलाते समय मोबाइल का इस्तेमाल करना आदि शामिल हैं और ये लगभग हर दिन रिपोर्ट किए गए हैं। पुलिस ने कथित तौर पर उल्लंघनकर्ता के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

संदेशखाली के मुद्दे पर बंगाल विस में हंगामा, छह भाजपा विधायक निलंबित

कोलकाता। संदेशखाली में अशांति के मद्देनजर सदन में विरोध प्रदर्शन करने पर विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी सहित छह भाजपा विधायकों को पश्चिम बंगाल विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। अधिकारी के अलावा, अग्निमित्र पाल, मिहिर गोस्वामी, बंकिम घोष, तापसी मंडल और शंकर घोष को मौजूदा सत्र के शेष भाग या 30 दिनों, जो भी पहले हो, के लिए निलंबित कर दिया गया। प्रश्नकाल की शुरुआत से ही भाजपा विधायकों ने उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में मौजूदा अशांति को लेकर टीएमसी सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी, जो एक बड़े राजनीतिक विवाद में तब्दील हो गया है। भाजपा विधायक सदन के पटल पर बैठ गए और

नारेबाजी करने लगे, जिससे विधानसभा के अंदर हंगामा शुरू हो गया. उन्हें सफेद शर्ट पहने भी देखा गया जिस पर लाल रंग से लिखा था कि *हम संदेशखाली के साथ हैं*/इसके बाद स्पीकर बिमान बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस विधायक शोभनदेब चटर्जी को भाजपा विधायकों के निलंबन के लिए प्रस्ताव लाने की अनुमति दी। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने भाजपा विधायकों को निलंबित कर दिया। बाद में चटर्जी ने कहा कि भाजपा विधायक सदन की मर्यादा और अनुशासन बरकरार नहीं रख रहे हैं और हमेशा कार्यवाही बाधित करने की कोशिश करते हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें पर्याप्त छूट दी गई और यह सहनशीलता की सीमा को पार कर गया। संदेशखाली में बड़ी संख्या में महिलाओं ने पिछले कुछ दिनों में विरोध प्रदर्शन किया, जिसमें आरोप लगाया गया कि स्थानीय टीएमसी नेता शेख शाहजहां और उनके *गिरोह* ने उनका यौन उत्पीड़न करने के अलावा, जमीन के बड़े हिस्से पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया।

मोदी सरकार श्वेत पत्र जारी कर छुपा रही है अपनी विफलताएं : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि मोदी सरकार ने श्वेत पत्र जारी कर अपनी विफलताओं को छुपाने की कोशिश की है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले दिनों मोदी सरकार एक फर्जी श्वेत पत्र लेकर आई थी। विडंबना ये है कि मोदी सरकार अपना रिपोर्ट कार्ड नहीं दिखा रही बल्कि 10 साल पहले की सरकार का लेखा-जोखा लेकर आई है। सुप्रिया ने कहा कि वह मोदी सरकार को खुली चुनौती देती हैं कि वे अपने बनाए मानक पर कांग्रेस और भाजपा सरकार के 10 साल के आंकड़े रखकर देख लें। इससे सच सामने आ जाएगा। श्रीनेत ने कहा कि मोदी सरकार के श्वेत पत्र पर वित्त मंत्रालय से साजिशन वैधता ली गई, जिसमें वित्त मंत्रालय के अफसरों को खुद के किए गए कामों को नकारना पड़ा। हालांकि इन साजिशों के बावजूद यूपीए के 10 वर्षों की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर, भाजपा सरकार के 10 वर्षों से कहीं अधिक थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में जीडीपी ग्रोथ रेट 06 फीसदी से नीचे आ गई। लोगों की आय घटी, उपभोग घटा, बेरोजगारी बढ़ी, निवेश घटा, महंगाई बढ़ी और बचत खत्म हो गई। सुप्रिया ने कहा कि देश पर कर्ज बढ़ा है। रुपया की वैल्यू कम हुई है। पेट्रोल और डीजल महंगा हुआ। बेरोजगारी सबसे बड़ी त्रासदी बनी, उत्पादन और सर्विसेज में रोजगार घटे, मनरेगा पर ज्यादा खर्च करना पड़ा, शिक्षा और स्वास्थ्य में कम पैसा खर्च हुआ, प्राइवेट निवेश गिरा है। उन्होंने कहा कि कोरोना आने से पहले हमारे देश की जीडीपी ग्रोथ आधी हो गई थी, जिसका कारण नोटबंदी और गलत जीएसटी था। वर्ष 2016 के बाद 2019 में जीडीपी ग्रोथ 3.9 फीसदी पर आकर गिर गई थी और देश में 45 साल में सबसे ज्यादा बेरोजगारी थी।

ट्रैक्टर से कुचलकर सांड की हत्या मामले में 5 आरोपी गिरफ्तार

बरपेटा (हिंस)। बरपेटा जिले के सरभोग में एक सांड की नृशंस तरीके से हत्या किए जाने के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में ट्रैक्टर का चालक शामिदुल मंडल, शाहिद अली, कादर अली, अब्दुल खालिक और सुधान दास शामिल बतायेगए हैं। पुलिस ने आरोपियों को पशु संरक्षण अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सूत्रों ने आज बताया है कि सांड़ की हत्या में इस्तेमाल ट्रैक्टर (एएस-15एसी-4981) को भी जब्त कर लिया गया है। सरभोग में एक सांड की ट्रैक्टर से कुचलकर हत्या किया गया था। इस मामले में विश्व हिंदू परिषद एवं अन्य संगठनों ने एफआईआर दर्ज कराया था। पुलिस ने घटना की जांच शुरू की और वायरल वीडियो फुटेज की जांच के बाद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पूसीरे ने की निर्धारित समय पूर्व ट्रैक संरक्षा लक्ष्य की प्राप्ति

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने अत्याधुनिक तकनीक की सहायता से ट्रैक अनुरक्षण कार्यों की दिशा में निरंतर प्रगति दर्ज की है। रेल पटरियों की संरक्षा बढ़ाने और रेल यात्रियों को और अधिक सुरक्षित तथा आरामदायक यात्रा का अनुभव प्रदान करने के लिए पूसीरे द्वारा अपनी इस भूमिका का निर्वाह किया गया है। हाल ही में, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान, पूसीरे ने ट्रैक संरक्षा से संबंधित तीन माइलस्टोन लक्ष्य हासिल किए हैं, जो रेलवे बोर्ड द्वारा तय किएगए थे। वास्तव में, प्राप्त किए गए लक्ष्य वित्तीय अवधि के पूरा होने से पहले ही प्राप्त कर लिए गए। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने आज बताया है कि पूसीरे द्वारा हासिल माइलस्टोन 218 टीकेएम (ट्रैक किलोमीटर) के पूर्ण ट्रैक नवीकरण से संबंधित हैं। दूसरा, चालू वित्त अवधि के दौरान निर्धारित लक्ष्य 100 थिक वेब स्विच के मुकाबले 123 थिक वेब स्विच (टीडब्ल्यूएस) लगायेगए। इसके अतिरिक्त, पूसीरे ने वर्तमान अवधि के दौरान 5 लाख क्यूबिक मीटर लक्ष्य के मुकाबले 6.09 लाख क्यूबिक मीटर बलास्ट भराई का कार्य पूरा किया। पूसीरे द्वारा रेल पटरियों का अनुरक्षण संरक्षा वृद्धि और ट्रेन परिचालन की गति में बढ़ोतरी हेतु अपनाई जाने वाली एक सतत् प्रक्रिया है। यूएसएफडी (अल्ट्रासोनिक फ्लो डिटेक्शन) जैसी मशीनों का उपयोग रेल पटरियों पर दरारों जैसी खामियों का पता लगाने के लिए किया जाता है और इस प्रकार संरक्षा के लिए त्रुटिपूर्ण रेल पटरियों का समय पर प्रतिस्थापन किया जाता है। रेल यात्रियों को बेहतर आराम के साथ सकुशल और सुरक्षित ट्रेन यात्रा प्रदान करने हेतु रेल पटरियों की उचित अवस्था बनाए रखने के लिए, पूसीरे द्वारा नियमित रूप से जोन के अधीन कई ट्रैक नवीकरण कार्य और अन्य ट्रैक संरक्षा उपाय किए जाते हैं।

कोई भी राज्य या देश, विकास में हमारा मुकाबला नहीं कर सकता : ममता

कोलकाता। टीएमसी सुप्रीमो और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा है कि उनकी सरकार राज्य के लोगों के विकास के लिए कड़ी मेहनत कर रही है, लेकिन उनकी सरकार पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

पश्चिम बंगाल के हुगली में एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने ये बातें कही। ममता बनर्जी ने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक नाकेबंदी के बावजूद राज्य सरकार ने गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की शुरुआत की है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि कोई भी राज्य या देश विकास के मामले में हमारा सामना नहीं कर सकता। ये भी तब है, जब केंद्र ने हमें वंचित रखने की कोशिश की, लेकिन हम हमारे लोगों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएं लाने में सफल रहे। ममता बनर्जी ने कहा कि उनकी सराकर पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्र सरकार ने राज्य के 1.18 लाख करोड़ रुपए जारी नहीं किए हैं। ममता बनर्जी का यह बयान ऐसे समय सामने आया है, जब टीएमसी के कई नेता भ्रष्टाचार के आरोप में जेल में बंद हैं। ईडी राशन घोटाले समेत कई और घोटालों की जांच कर रही है। विपक्षी भाजपा भ्रष्टाचार के आरोपों पर टीएमसी पर हमलावर है। संदेशखाली और अपनी पार्टी के नेता शाहजहां शेख को लेकर ममता बनर्जी और टीएमसी विपक्षी पार्टियों के निशाने पर है। संदेशखाली में महिलाओं ने हाल ही में विरोध प्रदर्शन किया और शाहजहां शेख और उनके सहयोगियों पर लोगों की जमीन हड़पने का आरोप लगाया था। महिलाओं ने ये भी दावा किया था कि शाहजहां शेख और टीएमसी नेताओं ने उनके साथ यौन उत्पीड़न किया।

पुल से टकराया ईंट ले जा रहा ट्रक, तीन व्यक्ति घायल

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर जिले में असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती पाखलीपहाड़ इलाके में शंकरदेव कॉलेज के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर आज तड़के हुए एक सड़क दुर्घटना में तीन व्यक्ति घायल होगए। पुलसि सूत्रों ने बताया है कि 14 पहियों वाला एलपी ट्रक (एएस-25एफसी-3099) नगांव से इटानगर की ओर जा रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर कासमारी स्थित पक्के पुल की रेलिंग को तोड़ते हुए नीचे पलट गया। नतीजतन, ट्रक के चालक सहित तीन व्यक्तियों को काफी चोटें आईं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची बंदरदेवा पुलिस की मदद से लोगों को अस्पताल में रेफर किया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है।

राज्य में 501 पक्के पुल बनाने का चल रहा कार्य

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि 2021-22 की शुरुआत में राज्य में कुल 1054 लकड़ी के पुल थे। इनमें से 177 को पक्के पुलों में परिवर्तित कर दिया गया था। शेष बचे हुए 847 पक्के पुलों में से 501 पुलों का काम विश्व बैंक परियोजना के तहत चल रहा है। जबकि, बचे हुए 346 लकड़ी के पुलों को सरकार के पास फंड उपलब्ध होने के बाद पक्के पुल में रूपांतरित किया जाएगा।

पृष्ठ एक का शेष

असम विस में ...

व्यय का अनुमान सार्वजनिक खाते के तहत 1,42,670.09 करोड़ रुपए और आकस्मिकता निधि के तहत 2,000.00 करोड़ रुपए के व्यय को ध्यान में रखते हुए, कुल वर्ष के लिए व्यय 2,88,560.71 करोड़ रुपए अनुमानित है। इस प्रकार, वर्ष के दौरान अनुमानित लेन-देन के परिणामस्वरूप 1,594.94 करोड़ रुपए का अनुमानित अधिशेष होगा। यह, 2,369.41 करोड़ रुपए के शुरुआती घाटे के साथ वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत में 774.47 करोड़ रुपए का बजट घाटा होगा।

अरुणोदय योजना के ...

के माध्यम से राज्य में कुल 30 लाख से अधिक परिवार लाभान्वित होंगे। इसके अलावा, चराइदेव और बिश्वनाथ जिलों में पायलट आधार पर राशन कार्ड का अरुणोदय के साथ विलय राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी लाभार्थी परिवारों को अरुणोदय योजना के दायरे में लाने का एक प्रयास है। जरूरतमंदों के जीवन को आसान बनाने के लिए, सरकार प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत अरुणोदय के लाभार्थियों को बीमा प्रदान करने पर भी विचार करेगी। असम सरकार ने इस योजना के लिए बजट में 3,800 करोड़ रुपए का प्रावधान रखा है।

मजबूत कानून बनाने ...

है। वित्त वर्ष 2024-25 में असम का सकल घरेलू उत्पाद 6.43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच जाएगा, जबकि 2023-24 में यह 5.7 लाख करोड़ रुपए था। इस महीने की शुरुआत में मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि उनकी सरकार यूसीसी को लागू करेगी लेकिन आदिवासी आबादी को इसके दायरे से दूर रखेगी। समान नागरिक संहिता का अर्थ है कि समाज के सभी वर्गों, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो, के साथ राष्ट्रीय नागरिक संहिता के अनुसार समान व्यवहार किया जाएगा, जो सभी पर समान रूप से लागू होगा। शर्मा ने पहले कहा था कि उनकी सरकार उत्तराखंड सरकार द्वारा तैयार किए जा रहे यूसीसी ड्राफ्ट बिल की बारीकी से निगरानी कर रही है ताकि यह देखा जा सके कि क्या इसे पूर्वोत्तर राज्यों में लागू किया जा सकता है।

अब घर की छतों ...

नए पहलुओं को शामिल किया गया है। बजट में बताया गया है कि प्रदेश के सभी नवनिर्मित (निजी एवं सरकारी) भवनों की छतों पर सौर ऊर्जा सिस्टम लगाना अनिवार्य होगा। असम सरकार इस साल इसके लिए एक कानून बनाएगी। दूसरी ओर, असम सरकार केंद्र सरकार की लागू की गई *प्रधानमंत्री सूर्योदय योजना* की पर्यावरण योजना को भी लागू करेगी।

एनआरसी में संग्रहित ...

किया कि सरकार बॉयोमेट्रिक्स की जानकारी को संरक्षित करे। जिनके नाम एनआरसी में दर्ज हो गए हैं, उन्हें आधार कार्ड वापस मिल जाएगा। जिन लोगों का नाम शामिल नहीं किया गया है, उन्हें ट्राइब्यूनल के फैसले के बाद आधार कार्ड या बॉयोमेट्रिक्स वापस मिल जाएगा। उन्होंने कहा कि इस फैसले के बाद भारत सरकार के आरजीआई को एनआरसी को अधिसूचित करना चाहिए। लेकिन अभी तक, भारत सरकार ने आधिकारिक तौर पर नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर को अधिसूचित नहीं किया है। एनआरसी की अब तक केवल एक प्रक्रिया है, लेकिन अभी तक अधिसूचित नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि हमें डेटा सुरक्षा के बारे में भी बताया गया था। हमने भारत सरकार को सूचित किया है कि हम अपने उपकरणों पर डेटा कैसे सुरक्षित कर सकते हैं। ये दोनों मामले भारत सरकार के विचाराधीन हैं।

नीतीश सरकार ने ...

करवाई। सरकार के समर्थन में 129 वोट पड़े। स्पीकर को हटाने के वक्त सरकार के पक्ष में 125 वोट ही पड़े थे। विश्वास मत पर वोटिंग के दौरान चार और वोट सरकार के पक्ष में बढ़ गए। इस बहस से पहले बिहार विधानसभा में नीतीश कुमार के रखे विश्वास मत प्रस्ताव पर बहस के दौरान सदन को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने सदन में विश्वास मत का प्रस्ताव रखा, जिस पर विभिन्न पार्टियों के नेताओं ने अपनी बात रखी है। जितने लोगों ने अपनी बात रखी है, उन्हें मैं धन्यवाद देता हूं। नीतीश कुमार ने कहा कि आरजेडी को जब शिक्षा मंत्रालय दिया तो गड़बड़ी करने लगे। ये लोग कमाने में लग गए और यह बात मुझे मालूम चला तो अलग हो गए। अब सबका हम जांच करवाएंगे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले स्पीकर के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में भी नीतीश कुमार के पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 विधायकों ने वोट किया है।

बड़ी कूटनीतिक जीत...

इन पूर्व नौ सैनिकों की रिहाई कर दी गई है जिसका भारत ने स्वागत किया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक बयान में कहा गया कि भारत सरकार कतर में हिरासत में लिए गए अल-दहरा ग्लोबल कंपनी के लिए काम करने वाले आठ भारतीय नागरिकों की रिहाई का स्वागत करती है। उनमें से आठ में से सात भारतीय सुरक्षित भारत लौट आए हैं। मंत्रालय ने कहा कि हम इन नागरिकों की रिहाई और घर वापसी सुनिश्चित करवाने के लिए कतर के अमीर के फैसले की सराहना करते हैं। कतर की अदालत ने जब भारत के आठ पूर्व नौ सैनिकों की सजा का ऐलान किया तो भारत ने इसके खिलाफ अपील की थी। इसका फायदा यह हुआ कि 28 दिसंबर, 2023 को आठों भारतीय नागरिकों को सुनाई गई मौत की सजा पर रोक लगा दी गई। इनकी रिहाई के लिए कतर और भारत के बीच राजनयिक वार्ता चल रही थी। जिसके बाद नौसैनिकों की मौत की सजा को बढ़ी हुई जेल की सजा में बदल दिया गया। उल्लेखनीय है कि कतर की जेल में कैद ये आठों भारतीय पहले नौसेना में काम करते थे। इनके ऊपर कथित तौर पर कतर के सबमरीन प्रोग्राम की जासूसी करने का आरोप था, जिसके बाद आठों को गिरफ्तार किया। ये अक्तूबर, 2022 से ही कतर की जेल में बंद थे। कतर की अदालत ने आठों भारतीयों को जासूसी का दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई थी।

नए भारत में ...

जवानों का हार्दिक अभिनंदन। मोदी है तो, मुमकिन है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज से 45 दिन पहले इन नौसेना के पूर्व अधिकारियों की फांसी की सजा को उम्र कैद में बदला गया था। आज इन सभी की सकुशल घर वापसी हुई है। इससे पहले भी ऑपरेशन गंगा चलाकर यूक्रेन से लगभग 27,000 भारतीय छात्र-छात्राओं को सकुशल वापस भारत लाया गया था। आज दुनिया के किसी भी कोने में युद्ध हो या संकट आया हो, भारत के लोगों को सकुशल वापस निकाला जाता है। नेपाल में भूकंप हो या अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा हो, हमने सभी भारतीयों को वहां से निकाला है। अफगानिस्तान से हजारों सिख परिवारों को मोदी सरकार ने सकुशल भारत लाया। गुरु ग्रंथ साहब को आदर पूर्वक वापस लाने हेतु विशेष विमान का प्रयोग किया गया। इससे पता चलता है कि पिछले 10 वर्षों में वैश्विक स्तर पर भारत का कितना मान सम्मान बढ़ा है। आज हमारी साख पहले से कहीं अधिक है। अनुराग ठाकुर ने जालंधर में बीएसएफ फ्रंटियर हेडक्वार्टर में आयोजित रोजगार मेले में 161 युवाओं को युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान करने के बाद पत्रकारों से वार्तालाप करते हुए कहा कि हर युवा को सम्मान, हर हाथ काम। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य निर्माण के लिए मोदी सरकार सदैव समर्पित रही है। एक वर्ष के अंदर 10 लाख से ज्यादा सरकारी नौकरी के अपने वादे को पूरा करते हुए केंद्र की मोदी सरकार की ओर आज देश के 47 स्थानों पर रोज़गार मेला के अन्तर्गत 1 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। रोजगार मेले के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी युवाओं को सशक्त बना रहे हैं। उनके दूरदर्शी नेतृत्व के परिणाम स्वरूप आज 1 लाख से अधिक कुशल युवाओं को नियुक्ति पत्र मिलने से युवा आकांक्षाओं को बल मिलेगा। युवाओं को सशक्त बनाना व देश को प्रगति की ओर ले जाना, यही मोदी की गारंटी है। भारत की प्रगति को नई ऊंचाइयों तक ले जाना युवा शक्ति की जिम्मेदारी है। मुझे पूर्ण विश्वास है की भारत की युवा शक्ति भारत को 2047 से पहले विकसित भारत बनाने में अपना योगदान देगी, नई ऊंचाइयों पर ले जाकर दिखाएगी।

फारूक अब्दुल्ला को ...

विकास के लिए जेकेसीए को 112 करोड़ रुपए दिए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा पदाधिकारियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर करने के बाद 2018 में मनी लॉन्ड्रिंग जांच शुरू हुई। अब्दुल्ला उस समय क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष थे, पर 2022 में केंद्रीय एजेंसी द्वारा आरोप पत्र दायर किया गया था। उनके खिलाफ आरोप पत्र में दावा किया गया है कि क्रिकेट संघ के प्रमुख के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, श्री अब्दुल्ला ने खेल के विकास के नाम पर अधिकारियों और अन्य लोगों द्वारा प्राप्त धन का दुरुपयोग किया और इसे व्यक्तिगत लाभ के लिए इस्तेमाल किया। आरोप पत्र में आरोप लगाया गया है कि धनराशि पहले कई निजी बैंक खातों और करीबी लोगों को भेजी गई और बाद में आरोपियों के बीच बांट दी गई।

हमें अब एकता ...

रखें, चोरी न करें, यही जाने का मूल आधार है। उन्होंने कहा कि हमारा समाज पूर्ण सत्य की खोज के लिए अलग-अलग रास्ते चुनता है। रास्ते अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन मंजिल एक ही है। हमारे समाज में कई तरह के लोग हैं, जैसे जैन, सिख। लेकिन इस देश के लोग होने के नाते हम सब एक हैं और एक रहते हुए, हमें राष्ट्र का निर्माण करना है। भागवत ने कहा कि भारत और दुनिया के अन्य हिस्सों में लोगों ने पूर्ण *सत्य और शाश्वत खुशी* की तलाश में अलग-अलग रास्ते अपनाए, लेकिन भारत की खोज और बाकी दुनिया की खोज के बीच अंतर यह था कि वे इसे बाहर की दृश्य दुनिया में खोजने के बाद रुक गए और हमने, बाहर की खोज के बाद इसे अपने भीतर खोजना शुरू किया और सच्चाई का एहसास किया। भागवत ने आगे कहा कि लोग आज देश और विदेश में लड़ रहे हैं। ऐसा इसलिए है, क्योंकि उनमें एक साथ रहने की प्रवृत्ति नहीं है। वे भौतिक सुख चाहते हैं। इसीलिए, सच्चाई के नाम पर अतीत में कई रक्तपात हुए और अब भी हो रहे हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो ताकतवर होता है वह लड़ने की बात नहीं करता। वे दूसरों को समझाने, सबको साथ लेकर चलने की बात करते हैं। वे सभी को अपना मानकर कमजोर को मजबूत बनाते हैं।

नवाज को पांच ...

लीग-नवाज (पीएमएल-एन) का दामन थाम लिया था। कुल छह निर्दलीय सांसद पीएमएल-एन में शामिल हो चुके हैं। पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने सोमवार को *एक्स* पर लिखा कि एनए-189 सीट से सांसद सरदार शमशीर मजारी, पीपी-195 से निर्वाचित इमरान अकरम, पीपी-240 से निर्वाचित सोहेल खान, पीपी-297 के सांसद खिज्र हुसैन मजारी और पीपी-249 से नेशनल असेंबली के सदस्य साहिबजादा मोहम्मद गाजनि अब्बासी ने नवाज शरीफ से मुलाकात की। शहबाज ने लिखा कि सभी सदस्यों ने नवाज शरीफ के नेतृत्व में विश्वास जताया और पीएमएल-एन में शामिल होने के अपने फैसले की घोषणा की। शहबाज शरीफ ने लिखा कि आप पाकिस्तान को बेहतर बनाने और लोगों को परेशानियों से निजात दिलाने के कारवां का हिस्सा बन गए हैं।

हमास का दावा- इजराइली...

दुखद स्थितियों का सामना कर रहा है, उन्हें देखते हुए करीब 14 लाख फिलीस्तीनी अपने घरों को छोड़कर जा चुके हैं। उधर, इजराइल ने संकेत दिया है कि गाजा में उसके जमीनी अभियान के तहत मिस्र की सीमा पर स्थित घनी आबादी वाले इस शहर को निशाना बनाया जा सकता है। वहीं, व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने रविवार को इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से कहा है कि इजराइल को आम नागरिकों की सुरक्षा की *ठोस* योजना के बिना गाजा के घनी आबादी वाले रफह शहर में सैन्य अभियान शुरू नहीं करना चाहिए। रफा में एक पत्रकार ने बताया कि सोमवार सुबह कुवैत हॉस्पिटल के आसपास हमले किए गए। घायलों में से कुछ लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। इजराइली सेना ने कहा कि उसने रफा के *शबौरा इलाके में आतंकी ठिकानों* को निशाना बनाया। सैन्य बयान में कहा गया है कि कई हमले किए गए लेकिन उसने यह नहीं बताया कि किन ठिकानों को निशाना बनाया गया या इससे कितना नुकसान पहुंचा है। फिलीस्तीन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने अभी हताहतों के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। मिस्र के दो अधिकारियों और एक पश्चिमी राजनयिक ने कहा था कि मिस्र ने चेतावनी दी है कि अगर इजराइली सैनिकों को रफह में भेजा जाता है तो वह इजराइल के साथ अपना शांति समझौता निलंबित कर देगा। मिस्र की चेतावनी के बाद बाइडन और नेतन्याहू के बीच बातचीत हुई है। नेतन्याहू के कार्यालय ने बाइडन की अपील पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। हमास के अल-अक्सा टेलीविजन स्टेशन ने चरमपंथी समूह के एक अज्ञात अधिकारी के हवाले से बताया कि रफह में किसी भी हमले से अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता वाली वार्ता *बाधित* होगी।

भाजपा ने पूर्ववर्ती...

योगदान को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार में युवाओं को नौकरी के अवसर उपलब्ध कराने का अभियान जोरों से जारी है। पहले की सरकारों में नौकरी के लिए विज्ञापन जारी होने से लेकर नियुक्ति पत्र देने तक बहुत लंबा समय लग जाता था। इस देरी का फायदा उठाकर उस दौरान रिश्वत का खेल भी जमकर होता था। हमने भारत सरकार में भर्ती की प्रक्रिया को अब पूरी तरह पारदर्शी बना दिया है। उन्होंने कहा कि इससे प्रत्येक युवा को अपनी क्षमताएं प्रदर्शित करने के समान अवसर प्राप्त हुए हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हर युवा का मानना है कि वे कड़ी मेहनत और कौशल के साथ अपनी नौकरी की स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इस बात पर प्रकाश डालते हुए कि सरकार युवाओं को राष्ट्र के विकास में भागीदार बनाने का प्रयास करती है। उन्होंने बताया कि वर्तमान सरकार ने पिछले 10 वर्षों में पिछली सरकारों की तुलना में डेढ़ गुना अधिक युवाओं को नौकरियां दी हैं। सरकार के प्रयासों से नए क्षेत्रों के खुलने और युवाओं के लिए रोजगार व स्वरोजगार के अवसर पैदा होने की बात करते हुए प्रधानमंत्री ने बजट में 1 करोड़ रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने की घोषणा का जिक्र किया, जिससे परिवारों का बिजली बिल कम होगा और वे ग्रिड को बिजली की आपूर्ति करके पैसा कमाने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना से लाखों नई नौकरियां भी पैदा होंगी। उन्होंने कहा कि आज भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। प्रधानमंत्री ने खुशी व्यक्त की कि इनमें से कई स्टार्टअप टियर 2 या टियर 3 शहरों से हैं। चूंकि ये स्टार्टअप नई नौकरियों के अवसर पैदा कर रहे हैं इसलिए नवीनतम बजट में स्टार्टअप्स के लिए कर छूट जारी रखने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने बजट में रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा देने के लिए घोषित 1 लाख करोड़ के फंड का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज रोजगार मेले के माध्यम से रेलवे में भर्ती भी हो रही है। उन्होंने कहा कि यात्रा के मामले में रेलवे आम लोगों की पहली पसंद है। भारत में रेलवे बड़े पैमाने पर बदलाव के दौर से गुजर रहा है और अगले दशक में इस क्षेत्र में पूर्ण बदलाव देखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले रेलवे पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया था। लेकिन 2014 के बाद, रेलवे के आधुनिकीकरण और उन्नयन पर ध्यान केंद्रित करते हुए संपूर्ण ट्रेन यात्रा अनुभव को फिर से तैयार करने का अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने कहा कि इस साल के बजट के तहत वंदे भारत एक्सप्रेस जैसी 40,000 आधुनिक बोगियां तैयार कर सामान्य ट्रेनों में जोड़ी जाएंगी, जिससे यात्रियों के लिए सुविधा और आराम बढ़ेगा।

पुलिस ने स्कूटी ...

घर का दौरा किया और उसे नोटिस दिया है। शख्स ने कहा कि वह 3.2 लाख रुपए का जुर्माना नहीं भर सकता, क्योंकि सैकेंडहैंड बाजार में उसके स्कूटर की कीमत 30,000 है। हालांकि, पुलिस ने उन्हें किश्तों में बकाया चुकाने का विकल्प दिया और कहा कि अगर उन्होंने लंबित बिलों का भुगतान नहीं किया, तो उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करनी होगी। बेंगलुरु पुलिस को पहले भी ऐसे दोपहिया वाहन मिले थे, जिनके खिलाफ कई चालान लंबित थे। पुलिस ने हाल ही में एक दोपहिया वाहन भी जब्त किया, जिस पर कुल 99 आरोप लंबित हैं और यहां तक कि वाहन मालिक को भी हिरासत में लिया गया है। मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई, जिसके बाद ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिया गया। अगस्त में, बेंगलुरु पुलिस ने एक और व्यक्ति को अपनी बाइक पर लंबित ट्रैफिक जुर्माना भरने से बचते हुए पकड़ा। उस व्यक्ति की बाइक पर कुल 46 उल्लंघनों का जुर्माना बकाया था और पुलिस ने उसे मौके पर ही बकाया राशि का भुगतान कराया। बेंगलुरु पुलिस ने कहा कि कुल बकाया 13,850 रुपए हो गया था।

बहुमंजिला मकान...

शाइका (14) और सानिया (11) सबसे ऊपरी मंजिल पर सो रही थीं और आग के पूरे घर में फैलने के कारण वे बाहर नहीं निकल पायीं। अधिकारियों ने बताया कि दमकल और आपातकालीन सेवाओं के कर्मियों ने उनके शव बरामद किए। आग लगने की वजह का अभी पता नहीं चला है। रामबन के उपायुक्त बशीर-उल-हक ने घटना पर दुख व्यक्त किया और कहा कि रेड क्रॉस फंड के तहत शोक संतप्त परिवार को तीन लाख रुपए की तत्काल सहायता राशि दी जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि हम परिवार के साथ खड़े हैं और एसडीआरएफ मानदंडों के अनुसार पूर्ण सहायता और मुआवजा प्रदान करेंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने *एक्स* पर एक पोस्ट में शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और कहा कि वह प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में हैं और हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के प्रमुख गुलाम नबी आजाद, कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रमुख विकार रसूल वानी और अपनी पार्टी के अध्यक्ष अल्ताफ बुखारी समेत कई राजनीतिक नेताओं ने घटना पर दुख व्यक्त किया और परिवार को पर्याप्त मुआवजा देने की मांग की। डोडा जिले के डिग्गी-थिगना वन क्षेत्र में रविवार रात आग लगने से 92 साल की एक महिला की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शीला देवी अपने मवेशियों को लेकर जंगल गई थीं और ग्रामीणों को एक झोपड़ी से उनका शव मिला।

मनीष सिसोदिया को ...

पिछले साल फरवरी में गिरफ्तार किया गया था। इससे पहले वह बीते 11 नवंबर को अपनी पत्नी सीमा से मिलने गए थे। उस दौरान सीमा की तबीयत खराब थी। दिल्ली की कोर्ट ने उन्हें 11 नवंबर को सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपनी पत्नी से मिलने की इजाजत दी थी।

असम बजट: मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान महत्वाकांक्षी योजना

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार की वित्त मंत्री अजंता नेओग ने आज विधानसभा में बजट पेश करते हुए अपने बजट भाषण में कहा कि मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान हमारी महिला उद्यमी बनाने के उद्देश्य से एक महत्वाकांक्षी अभियान है। इस लक्ष्य हमारी महिलाओं को उद्यमी बनाना है। इस अभियान के दो उद्देश्यों में मुख्य रूप से अमृत काल में हमारी महिला उद्यमियों की आय बढ़ाना और उन्हें व्यावसायिक रूप से सफल बनाना है। उन्होंने कहा कि राज्य भर में कुछ शर्तों के तहत हम ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों की 39,67,743 महिला सदस्यों को उद्यमिता निधि के रूप में प्रत्येक को 10 हजार रुपए प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि एक बार जब उन्हें यह सुविधा मिल जाती है, तो हम ऐसे प्रत्येक लाभार्थी को बैंक ऋण के रूप में न्यूनतम 25 हजार रुपए प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

प्रदेश भाजपा ने असम सरकार के बजट का किया स्वागत

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भवेश कलिता ने वित्त मंत्री अजंता नेओग के विधानसभा में पेश किए गए पूर्ण वित्तीय बजट 2024-25 का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि बजट का उद्देश्य सभी क्षेत्रों के लोगों की आकांक्षाओं के साथ आत्मनिर्भर और समृद्ध असम का निर्माण करना है। सोमवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष कालिता ने एक बयान जारी कर कहा कि यह बजट एक सर्वांगीण विकास होने के साथ-साथ जनोन्मुखी और बुनियादी ढांचा-उन्मुख बजट भी है। लोगों के सर्वांगीण विकास और तेजी से विकास के हित में आज के वित्तीय बजट में मुख्यमंत्री आत्मनिर्भर असम योजना, असम माला 2.0 योजना के माध्यम से सड़कों के त्वरित निर्माण के लिए कई हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, ग्रामीण महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने की पहल के साथ मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान योजना, असम माइक्रो फाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना के माध्यम से असम की महिला शक्ति को ऋण मुक्त बनाने के लिए तीसरे चरण में हजारों करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। वहीं मुख्यमंत्री माइना योजना के माध्यम से 10 लाख विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा में प्रवेश के लिए प्रोत्साहन आर्थिक सहायता, नगर पालिकाओं में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के लिए आवासों का निर्माण, ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों की महिला सदस्यों को 10 हजार रुपये, सैकड़ों करोड़ रुपए की लागत से स्टेडियम निर्माण, शासकीय एवं निजी आवासों में सौर ऊर्जा प्रबंधन के लिए प्रोत्साहन राशि उपलब्ध कराई जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस जनहितैषी बजट से उम्मीद है कि आने वाले दिनों में यह बजट प्रदेश को और आगे ले जाने और असम की आर्थिक व्यवस्था की नींव को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कलिता ने असम के लोगों को सर्वांगीण बजट देने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और वित्त मंत्री अजंता नेओग को भी हार्दिक धन्यवाद दिया।

जोरहाट सदर थाने में फिर से पेश हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष

जोरहाट (हिंस)। असम प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा सोमवार को एक बार फिर जोरहाट सदर पुलिस थाने में पेश हुए। दरअसल, जोरहाट में राहुल गांधी की न्याय यात्रा के दौरान उन्हें जोरहाट में नियमों के उल्लंघन की घटना के लिए जोरहाट सदर पुलिस स्टेशन में एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उसी मामले में कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भूपेन बोरा, कार्यकारी अध्यक्ष राणा गोस्वामी और राहुल गांधी की न्याय यात्रा के प्रभारी केबी बैजू को जोरहाट पुलिस स्टेशन के सामने पेश होने का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में भूपेन बोरा को जोरहाट पुलिस के सामने 31 जनवरी को पेश हुए थे। उसके बाद आज फिर अध्यक्ष बोरा जोरहाट सदर थाने में पेश हुए। इस दौरान पुलिस ने भूपेन बोरा से क्या सवाल पूछे, इसकी अभी तक कुछ जानकारी नहीं हो सका है।

मुख्यमंत्री निजूत मोइना योजना के तहत 10 लाख छात्राओं को मिलेगा वित्तीय अनुदान

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य सरकार के आज पेश किए गए बजट में मुख्यमंत्री निजूत मोइना योजना के तहत कालेज में दाखिले के लिए 10 लाख छात्राओं को आर्थिक सहायता देने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया है। इस सुविधा का विस्तार करने का निर्णय लिया गया है ताकि छात्राएं उच्चतर माध्यमिक, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तरों पर अपनी पढ़ाई जारी रख सकें। शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाली किसी भी छात्रा को इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए पात्र माना जाएगा। हालांकि, विवाहित लड़कियों को इस सुविधा के लिए योग्य नहीं माना जाएगा। ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश के लिए 10,000 रुपये, स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए 12,500 रुपए और प्रथम वर्ष के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए 12,500 रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाएंगे। यह ध्यान दिया जा सकता है कि यह सुविधा मुफ्त प्रवेश, स्कूटी डिलीवरी आदि जैसी मौजूदा सुविधाओं के अतिरिक्त प्रदान की जाएगी। इसके लिए बजट में 240 करोड़ रुपए निर्धारित करने का प्रस्ताव है। उल्लेखनीय है कि राज्य की वित्त मंत्री अजंता नेओग ने असम विधानसभा के बजट सत्र में 2024-2025 के लिए पूर्ण बजट पेश किया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के इस बजट का उद्देश्य असम को देश के पांच शीर्ष राज्यों में से बनाना है।

भारी मात्रा में गांजा बरामद

उदालगुड़ी (हिंस)। माजबाट पुलिस ने गांजा तस्करी के विरुद्ध एक अभियान चलाते हुए बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि माजबाट में 407 किलो गांजा जब्त किया गया। जब्त गांजा की बाजार में कीमत करीब 40 लाख 70 हजार रुपए आंकी गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया है कि बीती रात को उदालगुरी जिले की माजबाट पुलिस ने छापा मारा और भारी मात्रा में गांजा जब्त करने में कामयाबी हासिल की। पता चला है कि रौता पुलिस सर्कल इंस्पेक्टर जितेंद्र सिंह, माजबाट पुलिस स्टेशन प्रभारी संजय कुमार दुबे, लालपानी पुलिस स्टेशन के आईसी प्रणव बरुवा और 5वीं असम कमांडो बटालियन के साथ एक बड़ी पुलिस टीम असम-अरुणाचल प्रदेश के सीमावर्ती रौता नदी के किनारे घने जंगली इलाके से 407 किलोग्राम गांजा जब्त किया।

मवेशी तस्करी में पांच गिरफ्तार, 35 मवेशी बरामद

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के जोराबाट इलाके में पुलिस ने सोमवार को एक अभियान चलाते हुए एक लग्जरी वाहन, एक ट्रक को जब्त कर अवैध रूप से तस्करी किए जा रहे 35 मवेशियों को बरामद किया है। इस अभियान के दौरान पुलिस ने यहां से तस्करी के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार जोराबाट पुलिस ने एक सूचना के आधार पर आज सुबह एक एक्सयूवी 300 वाहन के चालक अशरफुल हक निवासी धुबड़ी और अब्दुल कादिर जिलानी निवासी धुबड़ी को मवेशी तस्करी के शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया है। यह दोनों व्यक्ति नगांव से जोराबाट के रास्ते पड़ोसी राज्य मेघालय के बर्निहाट के लिए एक वाहन से जा रहे थे। पुलिस के अनुसार दोनों ने स्वीकार किया कि वे एक मवेशी लदे वाहन को एस्कॉर्ट कर रहे थे, जो उनके पीछे आ रहा था। इसके बाद पुलिस ने पीछे से आ रहे एक मवेशी लदे वाहन को रोका और वाहन में एक ड्राइवर और दो सहायक बैठे मिले। पुलिस ने वाहन से 35 जीवित मवेशियों को बरामद किया। इसके बाद पुलिस ने ट्रक सवार साहिदुल रहमान, लतीफुल हक दोनों निवासी धुबड़ी और नागांव निवासी अरिफुल इस्लाम को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार ट्रक के चालक और सहायक ने स्वीकार किया कि वे नगांव से मवेशियों को लाए थे, हालांकि वे मवेशियों के मद्देनजर कोई सक्षम प्राधिकारी का कोई वैध परमिट या दस्तावेज नहीं दिखा सके। पुलिस ने बताया है कि मवेशियों की अवैध रूप से तस्करी की जा रही थी। पुलिस ने ट्रक और एसयूवी को जब्त कर मवेशियों को अपनी अभिरक्षा में ले लिया। साथ ही दोनों वाहनों के ड्राइवरों और उनके सहयोगियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

श्री रघुपति की सफलता के बाद मणिरत्न एंटरटेनमेंट ला रही है जतिन बोरा अभिनीत नई फिल्म *अग्निबाण*

गुवाहाटी। कई ब्लॉकबस्टर हिट देने वाला मशहूर प्रोडक्शन हाउस मणिरत्न एंटरटेनमेंट (श्री रघुपति के निर्माता) ने एक नई फिल्म *अग्निबाण* की घोषणा की है। युवा निर्देशक मृण्मय अरुण सैकिया द्वारा निर्देशित यह बहुप्रतीक्षित असमिया फिल्म अपनी मनोरंजक कहानी और शानदार अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार है। अग्निबाण पूर्वोत्तर भारत में नार्को-आतंकवाद पर बनी एक दिलचस्प असमिया फिल्म है। फिल्म में सुपरस्टार जतिन बोरा, कमल लोचन, हिमांशु प्रसाद दास, प्रीति कंगना, कंकना चक्रवर्ती (कोलकाता) जैसे मंझे हुए कलाकारों के साथ कई अन्य प्रतिभाशाली कलाकार हैं। *अग्निबाण* पूर्वोत्तर भारत की गंभीर समस्या नार्को-आतंकवाद पर प्रकाश डालती

है। इस अवसर पर अभिनेता जतिन बोरा ने कहा कि मुझे खुशी है कि मैं अग्निबाण की इस के बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा हूं, मुझे यकीन है कि असम के लोग इस फिल्म की कहानी और हमारे प्रस्तुतीकरण को पसंद करेंगे। हम जल्द ही इस पर काम शुरू करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि अपने राज्य के लोगों के लिए एक और ब्लॉकबस्टर दें। निर्माता सेलेन शर्मा जिन्होंने श्री रघुपति जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म दी है, इस प्रोजेक्ट में अपने जुनून और विशेषज्ञता झोंक दी है ताकि *अग्निबाण* असमिया सिनेमा में नए मानक स्थापित करे। निर्देशक मृण्मय अरुण सैकिया ने कहा कि *अग्निबाण* सिर्फ एक फिल्म नहीं है; यह हमारे क्षेत्र के सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य का प्रतिबिंब है। हमारा लक्ष्य इस सम्मोहक कहानी के माध्यम से नार्को-आतंकवाद की भयानक वास्तविकताओं और हमारे समुदायों पर इसके विनाशकारी प्रभाव पर प्रकाश डालना है। पूर्वोत्तर भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित *अग्निबाण* रोमांस, थ्रिलर, सस्पेंस, ड्रामा और एक्शन को एक साथ जोड़ती है, जो दर्शकों को एक यादगार सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

सड़क परियोजना में हेराफेरी का पूर्व विधायक ने लगाया आरोप

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के पाके केसांग जिला के पूर्व विधायक तेची हेमू ने आरोप लगाया कि पाक्के-सिजोसा और इटाखोला सड़क के 62 किमी के विकास के निर्माण में सार्वजनिक धन का भारी दुरुपयोग हुआ है। इस सड़क के लिए धन उत्तर पूर्व परिषद (एनईसी) के तहत भारत सरकार ने प्रदान किया था। ये बातें आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक हेमू ने दावा किया कि पाके-सिजोसा और इटाखोला सड़क के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा 141.75 करोड़ रुपए मंजूर किए गए थे। 2017 में निविदा जारी की गई थी और इसका स्वामित्व एम/एस पीआरएल प्रोजेक्ट्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और मेसर्स गेपोंग (जेवी) ने जीता था। हालांकि, प्रमुख ठेकेदार से उप अनुबंध लेकर एमएस युमिको ग्लोबल इंफ्रा टेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अनुबंध कार्य कराया जा रहा है। युमिको ग्लोबल इंफ्रा टेक प्रा. लिमिटेड जिसके निदेशक रोनी लिशी थे और बाद में वर्तमान विधायक बीआर वागे की पत्नी लिशी यापु, जो रोनी लिशी की बड़ी बहन ने इसके प्रबंध निदेशक के रूप में परियोजना को निष्पादित करने के लिए उप-अनुबंध समझौते पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने दावा किया कि सड़क की वास्तविक लंबाई 49.600 किमी है, लेकिन बिलिंग 12 किमी अतिरिक्त के साथ कुल 62 किमी के लिए की जा रही है और 12 किमी के बिल की राशि को आसानी से हड़प लिया है। उन्होंने कहा कि यह विधायक और उनकी पत्नी और विधायक के बड़े भाई तत्कालीन इंजीनियर काटुंग वागे की मिलीभगत से किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि वास्तविक डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) में कई बदलाव किए गए हैं।

बच्चों के लिए लायंस उमंग का नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। समाज सेवा के कार्य में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं की संस्था लायंस क्लब गुवाहाटी उमंग की ओर से बच्चों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत नारंगी के रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल में दो अलग अलग चरणों में लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से शिवीर आयोजित किया गया। पहले दिन 123 व दुसरे दिन 137 बच्चों की जांच की गई। कुल 260 बच्चों एनएलने इस शिवर का लाभ उठाया। शिविर को सफल बनाने क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर रहा।बच्चों के लिए लायंस उमंग का निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित गुवाहाटी 12 फरवरी- समाज सेवा के कार्य में अग्रणी भूमिका निभाने वाली महिलाओं की संस्था लायंस क्लब गुवाहाटी उमंग की ओर से बच्चों के लिए निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी कार्यक्रम के तहत नारंगी के रघुनाथ चौधरी हाई स्कूल में दो अलग अलग चरणों में लायंस आई हॉस्पिटल के सहयोग से शिवीर आयोजित किया गया। पहले दिन 123 व दुसरे दिन 137 बच्चों की जांच की गई। कुल 260 बच्चों एनएलने इस शिवर का लाभ उठाया। शिविर को सफल बनाने क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर रहा।

रंगिया : श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें अधिवेशन में सीएम ने *रूपहि रंगिया स्मारिका* का विमोचन किया

रंगिया (विभास)। रंगिया का अग्रणी साहित्य सांस्कृतिक तथा सामाजिक स्वेच्छासेवी संगठन रूपहि रंगिया द्वारा श्रीमंत शंकरदेव संघ के 93वें रंगिया अधिवेशन के मौके पर प्रकाशित स्मारिका *रूपोहि रंगिया* का विमोचन किया गया। विशिष्ट साहित्य सांस्कृतिक संगठक हेमंत कलिता द्वारा संपादित और पत्रकार सैय्यद मुस्तफा अहमद के सह-संपादन में प्रकाशित इस स्मारिका का विमोचन अधिवेशन के तीसरे दिन आयोजित खुली बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने किया। श्रीमंत शंकरदेव संघ के पदाधिकारी भवेंद्र नाथ डेका की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में संघ के सलाहकार कमलाकांत गोगोई, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व स्थानीय विधायक तथा अधिवेशन आयोजन समिति के कार्यवाहक अध्यक्ष भवेश कलिता, असम सरकार के मंत्री जयंत मल्ल बरुवा, मंत्री रंजित दास, कमलपुर के विधायक दिगंत कलिता, संघ के पूर्व मुख्य सचिव बाबुल बोरा, प्रफुल्ल चन्द्र बोरा, शिशु वक्ता सृष्टि बोरा, युवा वक्ता अभिनव बरुवा,

हैदराबाद की विशिष्ट शिक्षाविद माधवीलता, स्वागत समिति के अध्यक्ष कंदर्प कुमार महंतो, मुख्य सचिव डॉ. हितेंद्र नाथ डेका, सचिव द्वय हरेश्वर डेका और बसंत डेका, रंगिया जिला शाखा के अध्यक्ष नरेश्वर डेका, सचिव प्राणेश्वर तालुकदार, स्मारिका *रूपहि रंगिया* के संपादक हेमंत कलिता, सहायक संपादक सैय्यद मुस्तफा अहमद सहित बहुत से विशिष्ट अतिथियों ने भाग लिया। वहीं इस कार्यक्रम में डॉ. दुलूमनी डेका के संपादन में उत्तराखंड और आदिकांड रामायण के समीक्षात्मक अध्यन शीर्षक ग्रन्थ का भी विमोचन किया गया। उल्लेखनीय है कि विगत समय मे संगठन रूपोहि रंगिया ने रंगिया ही नही बल्कि असम के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के बीच अपनी एक विशेष पहचान बनाई है।

खेलो इंडिया के कारण युवा एथलीटों में जबर्दस्त प्रतिस्पर्धी भावना आई है : अंकुशिता

गुवाहाटी। 19 फरवरी से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2023 के चौथे संस्करण की मेजबानी के लिए तैयार है। ऐसे में असम निवासी पूर्व युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियन अंकुशिता बोरो मानती हैं कि यह आयोजन राज्य के युवा एथलीटों को ढेर सारा अनुभव प्रदान करेगा। अंकुशिता, जिन्होंने पिछली बार वर्ष 2020 में असम की मेजबानी में पहली बार हुए खेलो इंडिया यूथ गेम्स (केआईवाईजी) में स्वर्ण पदक जीता था, इस आयोजन में अपने प्रदर्शन को करियर बदलने वाला बताया। अंकुशिता मानती हैं कि वर्ष 2017 के युवा विश्व खिताब के बाद उनके प्रदर्शन में गिरावट आई थी। लेकिन खेलो इंडिया यूथ गेम्स के बाद उनके अपनी पूर्व की फार्म फिर से वापस पाई है। अंकुशिता ने कहा कि मुझे गुवाहाटी में खेलो इंडिया यूथ गेम्स हमेशा याद रहेंगे, जहां मैंने स्वर्ण पदक जीता था। प्रदर्शन के मामले में यह मेरे लिए एक नई शुरुआत थी। अपनी व्यक्तिगत अनुभव से, मैं कह सकती हूं कि खेलो इंडिया मंच अंडर-18 दिनों से ही एक ज़बरदस्त प्रतिस्पर्धी भावना लेकर आया है। अंकुशिता ने आगे कहा कि मुझे यकीन है कि खेलो

इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स का यह संस्करण अलग नहीं होगा। 200 विश्वविद्यालयों के लगभग 4,500 एथलीट इस प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इसमें अंतर-विश्वविद्यालय प्रतिद्वंद्विता, अंतर-राज्यीय प्रतिद्वंद्विता (एक राज्य के एथलीटों का एक-दूसरे के विश्वविद्यालयों के खिलाफ मुकाबला) आयोजित होंगे, जिससे इस प्रतोगिता को और अधिक रोमांचक बना देंगे। सरकार की एकीकृत खेल नीति के लाभार्थियों में से एक अंकुशिता को दो साल पहले गुजरात में आयोजित 36वें राष्ट्रीय खेलों से स्वर्ण पदक जीतकर लौटने के बाद खेल और युवा कल्याण निदेशालय के तहत तृतीय श्रेणी के पद पर नियुक्त किया गया है। खेलों के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए इस शीर्ष मुक्केबाज ने कहा कि सरकार खिलाड़ियों के लिए बहुत सहायक रही है, लेकिन जब नीति के तहत नौकरियां प्रदान करने की बात आती है वह इसमें आगे रही है। सरकार ने कम सुविधा प्राप्त परिवारों के खिलाड़ियों को सुरक्षित भविष्य के लिए खेल में करियर बनाने का सपना देखने के लिए प्रोत्साहित किया है। शोनितपुर जिले के मेघाई जरानी गांव की रहने वाली अंकुशिता ने अपने शुरुआती दिनों के दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) गोलाघाट से मिले सपोर्ट का भी सराहना की। उन्होंने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण गोलाघाट के कई एथलीट हैं, जिन्होंने राज्य और देश का नाम रोशन किया है। मैं अपने प्रारंभिक वर्षों के दौरान मेरे करियर को आकार देने के लिए केंद्र का हमेशा आभारी रहूंगी। आगामी खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के सफल आयोजन को लेकर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए अंकुशिता ने कहा कि इस तरह के बड़े आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी के पिछले अनुभव काम को आसान बना देंगे। उन्होंने कहा कि असम ने अतीत में ऐसे बड़े आयोजनों की सफलतापूर्वक मेजबानी की है, और इस बार, मुझे यकीन है कि राज्य सरकार इसे और भी बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध होगी। अगर हम असम में खेल के बुनियादी ढांचे की बात करें तो हम किसी भी तरह से देश की किसी भी खेल महाशक्ति से कम नहीं हैं। अंकुशिता के मुताबिक अमिनगांव में हाल ही में उद्घाटन किया गया राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए एक विश्व स्तरीय सुविधा है। मुक्केबाजों के लिए हमारे पास शहर में तथा सामान्य रूप से राज्य भर में कई बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधाएं हैं। अन्य खेलों के लिए भी बुनियादी ढांचा समान रूप से अच्छा है और ऐसे आयोजनों की मेजबानी से इसे और बढ़ावा मिलेगा। केआईयूजी 2023 के प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, 2022 एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अंकुशित ने कहा कि यह प्रतिभागियों को असम और उत्तर पूर्व का अनुभव करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान करता है, क्योंकि यह स्थान जातीय भोजन, संगीत, प्राकृतिक सुंदरता और वन्य जीवन की एक विस्तृत श्रृंखला से संमृद्ध है।

बच्ची के अपहरण के सिलसिले में दो महिला समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी पुलिस ने राजधानी के खानापाड़ा कोईनाधरा से रविवार को अपहृत हुई एक बच्ची के साथ ही दो महिला समेत तीन अपहरणकर्ताओं को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार गुवाहाटी पुलिस ने अशोक दास नामक व्यक्ति द्वारा राजधानी के दिसपुर थाना में दर्ज करवाए गए एफआईआर पर कार्रवाई करते हुए विश्वजीत दास (30) उर्फ समीर, दे सविता दे (28) तथा जेलीमोन बेगम (28) को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि विश्वजीत दास ने बच्ची का अपहरण करके उसे जेलीमोन बेगम के घर में रखा। जहां से बच्चे को बेच देने की योजना थी। पुलिस ने शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए दिसपुर के एसीपी के नेतृत्व में अभियान चलाया। पुलिस ने बताया कि अपहरणकर्ता ने पहले शिकायतकर्ता और उसकी पत्नी के साथ आकर मिलजुल बढ़ाया। फिर बच्ची को रविवार को फुसलाकर ले गया। शिकायतकर्ता को हालांकि अपहरणकर्ता का नाम पता नहीं था, लेकिन बताए गए हुलिया के आधार पर पुलिस ने फोटो इंटेलिजेंस की सहायता से अपराधी का पहचान निकाल लिया। बच्ची को हैदराबाद के किसी निस्संतान दंपति के हाथों बेचने की योजना थी। बच्ची को अपहरणकर्ताओं के चंगुल से बचा लिया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

संपादकीया

विकास की उम्मीद हराम

हिमाचल में विकास को तरसती आंखें आज भी अनिश्चय के संदर्भों में उलझी हैं। जब फोरलेन प्रोजेक्ट ने मंडी का सफर तय किया, लोगों ने जमीन पर बारूद उगा दिया और अब कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के सामने विस्फोट के तौर तरीके बिछा कर सवाल किए जा रहे हैं। लोग तरक्की की फसल काटना चाहते हैं, लेकिन जमीन पर पांव धरने की इजाजत नहीं देते। उन्हें घर की गली तक वाहन चलाने योग्य सडक़ चाहिए, लेकिन अपनी दो इंच जमीन देना गंवारा नहीं। उन्हें चौबीस घंटे पानी और बिजली की आपूर्ति चाहिए, लेकिन न घर के सामने कोई पोल और न ही जमीन से पानी के पाइप गुजरने की मंजूरी देते। लैंड सीलिंग एक्ट ने कई समाज बना दिए। एक वे जो लघु जमींदार थे, उनसे छीनकर जमीन ने एक नए समाज की पैमाइश कर ली। दूसरे वे जिनकी जमीन पर बागीचे खड़े थे, वे अपनी संपत्ति के पूरी तरह मालिक बने रहे। मुजारों में बंटी जमीनों की बोली लगी और मुफ्त के दालान में कृषि योग्य जमीन का मोल तय हो गया। अब जन सुनवाई के मोर्चे पर दलीलें विकास पर इस कद्र भारी हैं कि हिमाचल सिर्फ गुजारे लायक तर्क और मंच के लायक घोषणाएं चुन सकता है। विकास की अपेक्षा में समाज यूं तो राजनीति की चटनी पीस-पीस कर हर बार सत्ता के आशियाने और विपक्ष के खजाने बदल देता है, लेकिन हर सरकार की लागत बढ़ाकर समाज के भीतर सिर्फ फायदे चुनने की तासीर ही पैदा हो रही है। इसी के साथ सामाजिक मंशा में एक स्वघोषित और सियासत से पोषित अतिक्रमण भी है। ऐसा कोई गांव नहीं जहां की सार्वजनिक जमीन पर डाका न पड़ा हो। ऐसा कोई शहर नहीं जहां की संपत्तियों पर कब्जाधारी न हों। जो समाज कूहलें, खड्डें व नाले चुरा सकता हो, उससे सार्वजनिक विकास की उम्मीद करना भी हराम है। ऐसा तब भी हुआ था जब धूमल सरकार ने एविएशन से जुड़ा एसईजेड ऊना में विकसित करके एक बड़े हवाई अड्डे की परिकल्पना की थी। यह इसलिए क्योंकि वहां की सार्वजनिक जमीनों पर अतिक्रमणकारी पनप चुके थे। कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के भीतर कितनी सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण, कितनी कूहलों और रास्तों की बर्बादी और कितनी लैंड सीलिंग एक्ट से मिली जमीन बिकी है, इसका हिसाब लगाया जाए तो गगल कस्बे में कितने ही एकड़ सार्वजनिक भूमि निकल आएगी। एक सर्वेक्षण यह कर लें कि प्रस्तावित एयरपोर्ट की जमीन में कितने बंजर खेत, कितने नए भवन, कितने आवारा पशु और इस इलाके के बाजारों में कितना स्थानीय अनाज बिकता है। हैरानी यह कि हिमाचल में अब कोई ऐसी भूमि नहीं जो हमें भरपेट खिला सके। एयरपोर्ट विस्तार के भीतर खड़ी दुकानों में बाहरी राज्यों से आई दूध की थैलियां, आटे और चावल की बोरियां और तेल की बोतलें बताती हैं कि अब एक दिन बाहरी राज्यों से आपूर्ति न हो तो सारे चूल्हे ठंडे हो जाएंगे। इतना ही नहीं, एयरपोर्ट विस्तार के क्षेत्र में सरकारी व अन्य रोजगार का विश्लेषण करें ताकि मालूम हो कि अब हल की जोत कितनी बची है। बेशक कांगड़ा एयरपोर्ट पुनर्वास के मानक एक नया अध्याय जोडऩा चाहते हैं। पुनर्वास की बेहतर तस्वीर के तहत काम के बदले काम, व्यापार के बदले व्यापार और आवास के बदले आवास मिलना चाहिए, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि सामाजिक सौदेबाजी में विकास का अर्थ गुम हो जाए। बेशक कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार की रूपरेखा में आ रहे व्यापारिक संस्थानों को भविष्य की चिंता है, लेकिन इन कस्बों में सडक़ों को निगल चुके वाहनों या बाजारों तक बिछ गए दुकान के सामान ने कौनसा सदाचार पैदा किया है। बहरहाल जन सुनवाई के शोर में विकास मुजरिम है, सरहद के हिसाब से हर पैमाइश दुश्मन है। विकास दुश्मन है, अगर इसकी जरूरत हमारे आंगन की मिट्टी से मुलाकात करे। विकास दुश्मन है, अगर इसकी बात जंगलात महकमे से करें। बावजूद इसके सुक्खू सरकार ने कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के मायनों में पुनर्वास की सारी खिड़कियां खोली हैं। बेहतर यह होगा कि कांगड़ा एयरपोर्ट पुनर्वास को कांगड़ा पर्यटन राजधानी के अंतर्गत जगह, जिरह और धंधा दिया जाए। एयरपोर्ट के चारों ओर अगर कोरिडोर बनाकर व्यापार संवर्धन की अधोसंरचना पैदा की जाए, तो कहीं ट्रांसपोर्ट नगर, कहीं पर्यटन गांव, कहीं फर्नीचर बाजार, तो कहीं भविष्य की मार्किट बसाई जा सकती है।

> हिमाचल सिर्फ गुजारे लायक तर्क और मंच के लायक घोषणाएं चुन सकता है। विकास की अपेक्षा में समाज यूं तो राजनीति की चटनी पीस–पीस कर हर बार सत्ता के आशियाने और विपक्ष के खजाने बदल देता है, लेकिन हर सरकार की लागत बढ़ाकर समाज के भीतर सिर्फ फायदे चुनने की तासीर ही पैदा हो रही है। इसी के साथ सामाजिक मंशा में एक स्वघोषित और सियासत से पोषित अतिक्रमण भी है। ऐसा कोई गांव नहीं जहां की सार्वजनिक जमीन पर डाका न पड़ा हो। ऐसा कोई शहर नहीं जहां की संपत्तियों पर कब्जाधारी न हों। जो समाज कूहलें, खड्डें व नाले चुरा सकता हो, उससे सार्वजनिक विकास की उम्मीद करना भी हराम है। ऐसा तब भी हुआ था जब धूमल सरकार ने एविएशन से जुड़ा एसईजेड ऊना में विकसित करके एक बड़े हवाई अड्डे की परिकल्पना की थी। यह इसलिए क्योंकि वहां की सार्वजनिक जमीनों पर अतिक्रमणकारी पनप चुके थे। कांगड़ा एयरपोर्ट के विस्तार के भीतर कितनी सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण, कितनी कूहलों और रास्तों की बर्बादी और कितनी लैंड सीलिंग एक्ट से मिली जमीन बिकी है।

सूचकांक रिपोर्ट 2023 के तहत भी भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया

लॉजिस्टिक लागत घटने का परिदृश्य

डा. जयंतीलाल भंडारी

> भारत में वर्ष 2024 में विनिर्माण, कारोबार, निर्यात और रोजगार के मौके बढ़ाने में घटती हुई लॉजिस्टिक लागत की अहम भूमिका होगी। हाल ही में उद्योग व आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 'भारत में लॉजिस्टिक्स लागत : आकलन और दीर्घावधि फ्रेमवर्क' रिपोर्ट 2023 जारी करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021–22 में भारत की लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.8 से 8.9 प्रतिशत के बीच रही है।

इन दिनों राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत में लॉजिस्टिक लागत घटने से संबंधित जो अध्ययन रिपोर्टें प्रकाशित हो रही हैं, उनके आधार पर भारत में वर्ष 2024 में विनिर्माण, कारोबार, निर्यात और रोजगार के मौके बढ़ाने में घटती हुई लॉजिस्टिक लागत की अहम भूमिका होगी। हाल ही में उद्योग व आंतरिक व्यापार संवद्र्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने 'भारत में लॉजिस्टिक्स लागत : आकलन और दीर्घावधि फ्रेमवर्क' रिपोर्ट 2023 को जारी करते हुए कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत की लॉजिस्टिक्स लागत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.8 से 8.9 प्रतिशत के बीच रही है। इस लॉजिस्टिक लागत में यातायात लागत, वेयर हाउसिंग और भंडारण लागत, सहायक सहायता सेवाओं की लागत, पैकेजिंग की लागत, बीमा लागत और अन्य संचालन लागतें शामिल की गई हैं। नेशनल काउंसिल ऑफ एप्लाइड इकानॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) द्वारा विश्व बैंक के निर्धारित मापदंडों पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में जमीनी स्तर पर बुनियादी ढांचे, डिजिटलीकरण, अंतरराष्ट्रीय शिपमेंट तथा यातायात के साधनों में बड़े निवेश और आधुनिकीकरण जैसे अहम कारणों से लॉजिस्टिक लागत में बड़ी कमी आई है। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक के लॉजिस्टिक प्रदर्शन सूचकांक रिपोर्ट 2023 के तहत भी भारत 6 पायदान की छलांग के साथ 139 देशों की सूची में 38वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत 2018 में इस सूचकांक में 44वें तथा 2014 में 54वें स्थान पर था। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में जिस रणनीतिक रूप से पीएम गति शक्ति योजना 2021 और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति (एनएलपी) 2022 का कार्यान्वयन शुरू किया गया है, उससे भारत में लॉजिस्टिक लागत में कमी का परिदृश्य लगातार उभरकर दिखाई देने लगा है।

ज्ञातव्य है कि सामान्यतः वस्तु के उत्पादन में कच्चे माल की लागत पहले क्रम पर और मजदूरी की लागत दूसरे क्रम पर होती है। फिर लॉजिस्टिक लागत का क्रम आता है। उत्पादों एवं वस्तुओं को उत्पादित स्थान से गंतव्य स्थान तक पहुंचाने तक लगने वाले परिवहन, भंडारण व अन्य खर्च को लॉजिस्टिक खर्च कहा जाता है। जहां डीपीआईआईटी के द्वारा हाल ही में प्रस्तुत रिपोर्ट में लॉजिस्टिक लागत नौ फीसदी से भी कम रहने की बात कही गई है, वहीं लॉजिस्टिक से जुड़े कई संगठनों की अध्ययन रिपोर्टों में भारत में लॉजिस्टिक की लागत जीडीपी के 10 फीसदी से अधिक होने के

अनुमान भी प्रस्तुत किए जा रहे हैं। वस्तुतः कोई एक वर्ष पहले 17 सितंबर 2022 को लांच हुई राष्ट्रीय लॉजिस्टिक पॉलिसी का लक्ष्य पांच साल में देश में लॉजिस्टिक लागत को घटाकर 8 फीसदी करना है। साथ ही इसका लक्ष्य 2030 तक कम लॉजिस्टिक खर्च वाले दुनिया के टॉप 25 देशों की सूची में देश को भी कम लॉजिस्टिक लागत वाले देश के रूप में स्थान दिला पाना भी है। इसका लक्ष्य माल परिवहन की लागत घटाकर सभी प्रकार के उद्योग-कारोबार को बढ़ावा देना और वैश्विक व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाना भी है। चूंकि वर्तमान में लॉजिस्टिक्स का ज्यादातर काम सडक़ों के जरिए होता है, अतएव अब इस नीति के तहत रेल ट्रांसपोर्ट के साथ-साथ शिपिंग और एयर ट्रांसपोर्ट पर जोर दिया जा रहा है। लगभग 50 प्रतिशत कार्गो को रेलवे के जरिए भेजे जाने का लक्ष्य आगे बढ़ाया जा रहा है और सडक़ों पर ट्रैफिक को कम किया जा रहा है। देश में बुनियादी ढांचे का तेजी से निर्माण होने लगा है। साथ ही लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में ड्रोन का भी इस्तेमाल शुरू हुआ है। निःसंदेह नई लॉजिस्टिक नीति और करीब 100 लाख करोड़ रुपए की महत्त्वाकांक्षी पीएम गतिशक्ति योजना एक सिक्के के दो पहलू की तरह ही हैं।

गति शक्ति योजना का मुख्य लक्ष्य देश में एकीकृत रूप से बुनियादी ढांचे का विकास करना है। वस्तुतः देश में सडक़, रेल, जलमार्ग आदि के इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़े 16 मंत्रालयों और विभागों के बीच पीएम गतिशक्ति योजना के तहत सहकार व समन्वय बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। गतिशक्ति योजना के तहत पिछले दो वर्षों में विभिन्न विभागों की अवसंरचना विकास से जुड़ी गतिविधियों को एक केंद्रीकृत डिजिटल पोर्टल के तहत लाए जाने का काम हुआ है। साथ ही अब रेलवे, सडक़, बंदरगाह, जलमार्ग, हवाई अड्डे, सार्वजनिक परिवहन और लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर के रूप में चिन्हित किए गए सात इंजनों के तहत भारतमाला (राजमार्ग), सागरमाला (तटीय नौवहन), उड़ान (वायु सेवाओं), भारत नेट (दूरसंचार सेवाओं), रेलवे विस्तार और अंतर्देशीय जलमार्ग विस्तार जैसी महत्त्वपूर्ण योजनाओं को समन्वित रूप से आगे बढ़ाया जा रहा है। वस्तुतः इस समय केंद्र सरकार सडक़ और रेल मार्ग, दोनों में सुधार पर ध्यान दे रही है। देश के प्रमुख शहरों और औद्योगिक एवं कारोबारी केंद्रों के बीच की दूरी कम करने के लिए एक तरफ डेडिकेटेड फ्रेट कोरिडोर के जरिए रेल मार्ग से माल ढुलाई को तेज करने की कवायद कर रही है, दूसरी तरफ देश के लगभग हर हिस्से में ग्रीनफील्ड हाईवे प्रोजेक्ट चल रहे हैं। इसके साथ ही राजमार्गों पर आधारित इंडस्ट्रियल कोरिडोर भी बनाए जा रहे हैं। यह बात भी उभरकर दिखाई दे रही है कि देश में बुनियादी ढांचे के तहत सडक़ों, रेलवे, बिजली और हवाई अड्डों के अलावा बंदरगाह से संबंधित सडक़ और रेल कनेक्टिविटी में भी निजी निवेश का प्रवाह अहम भूमिका निभा रहा है। यात्रा के आधार पर भारत का लगभग 90 फीसदी से अधिक विदेश व्यापार समुद्री मार्ग से होता है। देश में नवीनतम बंदरगाह नीति के तहत बंदरगाह 'लैंडलॉर्ड मॉडल' की शुरुआत के साथ सरकार के स्वामित्व वाले प्रमुख बंदरगाह की परिचालन जिम्मेदारियां निजी क्षेत्र को सौंपने की रणनीति के कारण बंदरगाह विकास और संचालन में घरेलू और विदेशी निजी क्षेत्र की भागीदारी तेजी से बढ़ी है।

ऐसे में दुनिया भर में शिपिंग और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में भारतीय बंदरगाहों की सराहना हो रही है और कहा जा रहा है कि भारत विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच जहाजों पर से माल उतारने और लादने की बेहतर नीति का प्रदर्शन कर रहा है। इससे कई निर्यात आधारित उद्योगों की प्रतिस्पर्धी क्षमता बढ़ रही है। हम उम्मीद करें कि केंद्रीय उद्योग व आंतरिक व्यापार संवद्र्धन विभाग के द्वारा वर्ष 2021-22 में देश में लॉजिस्टिक लागत जीडीपी के 7.8 से 8.9 फीसदी रहने और अन्य कई अध्ययनों में इसे 10 फीसदी के आसपास रहने की रिपोर्टों के परिवेश में अब देश में राष्ट्रीय लॉजिस्टिक नीति तथा पीएम गतिशक्ति योजना के और तेजी से कारगर क्रियान्वयन से आगामी नए वर्ष 2024 में भारत में लॉजिस्टिक लागत में और कमी आएगी। ऐसे में भारत की वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी।

दृष्टि कोण

लोकसभा चुनावों के लिए दलों की तैयारियां

अयोध्या में भव्य राम मंदिर में 22 जनवरी 2024 को श्री राम लला की प्राण प्रतिष्ठा ने पूरे देश में भारतीय जनता पार्टी के लिए एक ऐसे संदेश का काम किया है, जिससे लोगों का पार्टी के प्रति और उनके वादों के प्रति विश्वास और बढ़ गया है। देश में 18वीं लोकसभा के लिए चुनावों की घोषणा शीघ्र ही हो सकती है। भारतीय जनता पार्टी चुनाव के लिए तैयार है, ऐसा लग रहा है। पार्टी का नया नारा है 'अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार'। यह नारा अपने आप में पार्टी की जनता के बीच मजबूत स्थिति को बयां करता है। 22 जनवरी को भगवान्‌श्री राम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा या उद्घाटन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश का दौरा शुरू कर दिया है, लेकिन इससे पूर्व, देश के गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा राज्यों का दौरा शुरू कर चुके हैं। अयोध्या नगरी की पूरी काया पलट हो गई है। भव्य एयरपोर्ट, रेलवे जंक्शन और सडक़ों को नया जीवन प्रदान किया गया है। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव में किए हुए वादों को निभाने का पूरा प्रयास किया है। श्री राम मंदिर का मुद्दा सबसे प्रमुख था, जो करोड़ों भारतीयों की धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है। भारतीय जनता पार्टी या नेशनल डेमोक्रेटिक अलायन्स को इसका चुनाव में भरपूर लाभ मिल सकता है। उधर कांग्रेस पार्टी और देश के दूसरे राजनीतिक दलों का गठबंधन, जिसे इंडि अलायन्स का नाम दिया गया है, अभी तक आपसी मतभेदों को सुलझाने में लगा है। ममता बनर्जी और नीतीश कुमार बहुत सी बातों को लेकर अंदर ही अंदर क्षुब्ध हैं। जैसे-जैसे चुनावों की घोषणा का समय नजदीक आएगा, इनमें कलह और बढ़ती जाएगी। 2023 में पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को अभूतपूर्व विजय मिली जिससे पार्टी का उत्साह और भी बढ़ गया है। उधर दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी को राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सरकारें खोनी पड़ी। मध्यप्रदेश में कांग्रेस पार्टी को सत्ता वापस मिलने की पूरी उम्मीद थी, लेकिन जनता ने उन्हें सीधे-सीधे अस्वीकार कर दिया। इन विधानसभा चुनावों के नतीजों से यह स्पष्ट हो गया कि मतदाता भारतीय जनता पार्टी से पूरी तरह खुश हैं। वर्ष 2024 भारत के लिए निर्णायक वर्ष है, क्योंकि इस वर्ष 18वीं लोकसभा के लिए चुनाव होंगे। इन चुनावों की घोषणा कभी भी हो सकती है। इसी तरह अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए भी चुनाव इसी साल होने हैं। 2014 से केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में तीन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व विजय इस बात का सबूत है कि लोग केंद्र में एक सुदृढ़ सरकार को लेकर एकमत हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में की गई घोषणाओं और वादों को निभाया है। चाहे वह महंगाई और बेरोजगारी को लेकर इतनी आक्रामक नहीं रही, लेकिन राम मंदिर का वादा उन्होंने निभा दिया, धारा 370 को हटाना, देश में आंतरिक सुरक्षा के नए मापदंड कायम करना और संसार में भारत देश का नाम इज्जत से लिया जाने लगा है। उसका सारा श्रेय देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जाता है। 18वीं लोकसभा के लिए 543 सीटों के लिए चुनाव होंगे। आंध्र प्रदेश में 42, मध्यप्रदेश में 29, बिहार में 40, महाराष्ट्र में 48, पश्चिम बंगाल में 42, कर्नाटक में 28, उत्तर प्रदेश में 80 और राजस्थान में 25, केरल में 20 और गुजरात में 26 सीटें हैं जो बहुत निर्णायक हैं। बाकी के राज्यों में सीटों का अनुपात कम है। बहुत सालों से यह देखा गया है कि जो पार्टी उत्तर प्रदेश में चुनाव जीत लेती है, केंद्र में उसकी सरकार बनती है। यह कई बार साबित भी हो चुका है। नेशनल डेमोक्रेटिक अलायन्स को इन राज्यों में अपनी बढ़त हासिल करनी होगी। इसलिए यह नारा कि अबकी बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार, दिया गया है। उधर इंडि अलायन्स की यह कोशिश रहेगी कि मोदी सरकार की हैट्रिक न बनने दी जाए। इसी बात को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश और बिहार में बड़ी संख्या में अपने उमीदवार चुनाव में उतारेगी ताकि भारतीय जनता पार्टी के आंकड़ों को बिगाड़ा जा सके। पश्चिम बंगाल में 42 सीटों पर मुकाबला होना है। भारतीय जनता पार्टी और तृणमूल कांग्रेस की सीधी टक्कर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और देश के गृह मंत्री अमित शाह ने ग्रास रूट स्तर पर पिछले कई सालों से कार्य शुरू किया था और उसे अब भी उतनी ही गंभीरता से किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान जैसे राज्यों में, जिन्हें हिंदी बेल्ट या काऊ बेल्ट भी कहा जाता है, भारतीय जनता पार्टी को श्री राम मंदिर निर्माण जनता को समर्पित करने का पूरा लाभ मिलेगा। श्री राम हिंदुओं की आस्था का विषय हैं। उधर हिमाचल में विधिवत चुनाव की घोषणा से पहले ही तैयारियां शुरू हो गयी हैं। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, जो राज्यसभा के सदस्य भी हैं और उनका राज्यसभा का कार्यकाल भी खत्म होने को है, चाहें तो लोकसभा का चुनाव मंडी संसदीय क्षेत्र से लड़ सकते हैं, क्योंकि मंडी सीट अभी कांग्रेस के पास है। यहां पर एक मजबूत नेता चाहिए जो भारी बहुमतों से यह सीट जीत सके। कांग्रेस का भी पूरा प्रयास रहेगा इस सीट को जीतने का। दक्षिण भारत में चुनाव के अलग परिणाम हो सकते हैं इस बार। तेलंगाना में भले ही कांग्रेस पार्टी की सरकार बन गई हो, लेकिन भारतीय जनता पार्टी को बढ़त हासिल हो सकती है।

कुछ अलग

पश्चिमी तट पर किसानों और पक्षी प्रजातियों की अटूट दोस्ती

भारत देश में कृषि उत्पादन की पद्धतियों में आधुनिक विधियों का चलन बढ़ने लगा है। पक्षी खेतों में उन कीड़ों का दहन करते हैं जो फसल को खाकर उनका नाश करते हैं। पाया गया है कि पक्षी हमारे देश की कृषि प्रणालियों के लिए अतिमूल्य है। यह खेतों में कीड़े मकौड़ों की समस्या का हल बनकर, अनाज की रखवाली में किसानों की मदद करते हैं। भारत का पश्चिमी तट विभिन्न प्रजातियों का निवास है। इस लेख का उद्देश्य यहां के दो पक्षियों का कृषिकरण में महत्व का वर्णन करना और उनके संरक्षण के लिए जागरूकता जगाना है। नीलकंठ पक्षी (कोरेशियस बैंगालेंसिस) कर्नाटक का राज्य पक्षी है। यह यहां के बांदीपुर राष्ट्रीय उपवन में पाए जाते हैं। यह न केवल दक्षिण भारत में, बल्कि उत्तर पूर्व और अन्य कई प्रांतों में भी कीटनाशक पक्षी के रूप से लोकप्रिय है। यह भृंग, दीमकों के झुंड व टिड्डों को खाते हैं और अपनी दर्शनीय हवाई प्रदर्शन और गति के लिए जाने जाते हैं जिनसे इनका नाम इंडियन रोलर बर्ड पडा है। नीलकंठ पक्षी का बदन हल्के नीले रंग का होता है और उसकी गर्दन बैंगनी और नारंगी रंग की होती है। इस कारण से भगवान शिव का स्वरूप बोलकर इनके दर्शन को शुभ माना जाता है। हमारी जानी पहचानी चिड़िया - घरेलू गौरैया (पैस्सर डोमेस्टिकस) का भी धान, कपास और मकई की खेती में अमूल्य योगदान होता है। इनके शिकार में आने वाले कीडों में कुछ हैं - कत्थई रंग का फुदका या ब्राऊन प्लांट हॉपर (नीलपर्वता लुगेन्स) और चावल का लीफरोलर (नफलोक्रोसिस मेडिनेलिस), कार्न इयरवर्म (हेलिकोवर्पा ज़ीया), कपास के बॉलवर्म (हेलिकोवर्पा आर्मिगेरा) इत्यादि। गौरैया और नीलकंठ दोनों को सांस्कृतिक तौर से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। इसका एक दुखद परिणाम है। अंधविश्वास की वजह से दशहरा के दौरान नीलकंठ को खेतों से पकड़ के कुछ अत्याचारी उनके परों को बेरहमी से काट कर छोटे से पिंजरों में कैद करते हैं। यह टिड्डी (लोकस्ट) के दुश्मन एवं किसानों के दोस्त होते हैं। 1958 से 1962 के बीच चीन की सरकार ने "फोर पेस्ट्स कैंपेन" के जरिए गौरैया का विनाश रचाया था। इसका नतीजा यह रहा कि टिड्डियों की संख्या असामान्य मात्रा में बढ़ गई और यह विश्व के सबसे भयानक अकाल का कारण बन गया। यह एक सबक है जो हमें वर्तमान में याद रखना चाहिए। पिछले कई सालों से प्रदूषण के कारण गौरैया की संख्या का शहरी इलाकों में तेजी से घटन हुआ है। कर्नाटक में यह एक चिंता का विषय बनता जा रहा है। इस कारण से कीटनाशक दवाइयों का उपयोग कृषि पारिस्थितिकी के लिए हानिकारक होता है। केमिकल उर्वरक और अत्यधिक मात्रा में इमारतों का निर्माण इन पक्षियों के रहने की जगहों को नष्ट कर रहे हैं। मानव और किसान होने का उचित उत्तरदायित्व संभालते हुए और मित्र का कर्तव्य निभाते हुए, हमें कृषिकरण के दृष्टिकोण में सही परिवर्तन लाने चाहिए।

देश दुनीया से

योजनाः बहुआयामी गरीबी में कमी, रोजगार के मौके जुटाने के लिए नए कौशलों में प्रशिक्षण की जरूरत

> गरीबी इंडेक्स निकालने के लिए बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं वित्तीय समावेशन जैसी सुविधाओं पर आधारित 12 विभिन्न मानकों–पोषक तत्व, बच्चे की मृत्यु दर, माताओं के स्वास्थ्य, बच्चों के स्कूल जाने की उम्र, स्कूल में उनकी उपस्थिति, रसोई, ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, संपदा व बैंक खातों को शामिल किया जाता है। इसके अनुसार, पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए हैं। लेकिन अब भी देश में करीब 15 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे हैं। इस दस्तावेज के मुताबिक, सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में राज्यसभा में कहा कि पिछले नौ वर्षों में देश में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। लोगों को गरीबी से बाहर लाने में 80 करोड़ लोगों को दिए जा रहे निःशुल्क खाद्यान्न और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की अहम भूमिका है। इससे पहले नीति आयोग की तरफ से भी वैश्विक मान्यता के मापदंडों पर आधारित बहुआयामी गरीबी इंडेक्स (एमपीआई) दस्तावेज जारी किया गया था। बहुआयामी गरीबी इंडेक्स निकालने के लिए बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं वित्तीय समावेशन जैसी सुविधाओं पर आधारित 12 विभिन्न मानकों-पोषक तत्व, बच्चे की मृत्यु दर, माताओं के स्वास्थ्य, बच्चों के स्कूल जाने की उम्र, स्कूल में उनकी उपस्थिति, रसोई, ईंधन, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, आवास, संपदा व बैंक खातों को शामिल किया जाता है। इसके अनुसार, पिछले नौ वर्षों में भारत में करीब 25 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए हैं। लेकिन अब भी देश में करीब 15 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे हैं। इस दस्तावेज के मुताबिक, सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं की इसमें अहम भूमिका रही है। यह भी महत्वपूर्ण है कि नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों में 5.94 करोड़, बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़, तो राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग एमपीआई मानकों के हिसाब से गरीबी से मुक्त हुए है। इस हिसाब से अब करीब 15 करोड़ लोग एमपीआई मानक से जुड़ी सुविधाओं से वंचित रह गए हैं। ऐसे लोगों की संख्या बिहार में सबसे ज्यादा 26.59 फीसदी, झारखंड में 23.34 फीसदी, उत्तर प्रदेश में 17.40 फीसदी, छत्तीसगढ़ में 11.71 फीसदी, राजस्थान में 10.77 फीसदी, तेलंगाना में 3.76 फीसदी, हिमाचल में 1.88 फीसदी, तमिलनाडु में 1.48 फीसदी, केरल में 0.48 फीसदी है। सरकार ने 2030 तक देश के ऐसे सभी नागरिकों को बहुआयामी गरीबी से बाहर करने का लक्ष्य रखा है। इसी तरह विगत छह नवंबर को संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में गरीबी 2015-2016 के मुकाबले 2019-2021 के दौरान 25 फीसदी से घटकर 15 फीसदी पर आ गई है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) सहित दुनिया के विभिन्न सामाजिक सुरक्षा संगठनों द्वारा बहुआयामी गरीबी घटाने में भारत की खाद्य सुरक्षा की जोरदार सराहना की गई है। आईएमएफ द्वारा प्रकाशित शोध पत्र में कहा गया है कि सरकार द्वारा चलाई गई प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त खाद्यान्न कार्यक्रम ने कोविड-19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन के प्रभावों की गरीबों पर मार को कम करने में अहम भूमिका निभाई है और इससे अत्यधिक गरीबी में भी कमी आई है। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए अंतरिम बजट में बहुआयामी गरीबी के दायरे से देश की सभी जनता को पूरी तरह से मुक्त करने के पक्के इरादों और प्रयासों की कवायद स्पष्ट रूप से दिखाई दी है। इस नए अंतरिम बजट में वित्तमंत्री ने चालू वित्त वर्ष 2023-24 के तहत बहुआयामी गरीबी के दायरे से बाहर निकालने वाले विभिन्न मदों पर किए गए वित्तीय आवंटन की तुलना में औसतन 10 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी की है। भारत को अब भी निम्न आय वाला देश माना जाता है। विभिन्न वर्गों की प्रति व्यक्ति आय में संतुलित वृद्धि से अधिक लोग गरीबी के दायरे से बाहर आएंगे और उनका जीवन बेहतर होगा। इसके साथ-साथ बहुआयामी गरीबी का सामना कर रहे परिवारों के युवाओं को कौशल प्रशिक्षण और डिजिटल कौशल से सुसज्जित करके रोजगार के जरिये सशक्तीकरण का अभियान सुनिश्चित करना होगा। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि विकास की प्रक्रिया और गरीबी उन्मूलन में देश के कुछ प्रदेश बहुत पीछे छूट गए हैं। इन राज्यों के समावेशी विकास पर विशेष ध्यान देना होगा। चूंकि कोविड-19 के बाद बहुआयामी गरीबी को दूर करने के लिए इस वर्ग के युवाओं में डिजिटल शिक्षा की जरूरत बढ़ गई है और इसकी अहमियत रोजगार में भी बढ़ गई है।

आप का नजरीया

तीन अमूल्य 'भारत रत्न'

दो पूर्व प्रधानमंत्रियों-चौधरी चरण सिंह और पीवी नरसिम्हा राव-तथा विख्यात कृषि-विज्ञानी, 'हरित क्रांति' के प्रणेता एमएस स्वामीनाथन को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत-रत्न' से नवाजने की घोषणा की गई है। वाकई वे विलक्षण प्रतिभा के धनी थे और भारत के अमूल्य 'रत्न' रहे हैं। देश के निर्माण और विस्तार में उनका अप्रतिम योगदान रहा है। उन्हें विलंब से ही, लेकिन 'भारत-रत्न' देकर देश का राष्ट्रीय सम्मान ही 'अलंकृत' हुआ है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2024 में ही महान समाजवादी नेता कर्पूरी ठाकुर और राष्ट्रवाद, कमंडल की राजनीति के पुरोधा लालकृष्ण आडवाणी समेत पांच राष्ट्रीय हस्तियों को यह सम्मान देने की घोषणा की है। कमोबेश 2024 को 'भारत-रत्न वर्ष' घोषित कर देना चाहिए, क्योंकि बीते चार सालों के दौरान किसी भी शख्सियत को 'भारत-रत्न' नहीं आंका गया। बेशक हमें कोई आपत्ति नहीं है, क्योंकि यह सरकार का विशेषाधिकार और अपना विश्लेषण है कि किसे 'भारत-रत्न' दिया जाए। तटस्थता और मूल्यांकन की ईमानदारी यही है कि प्रधानमंत्री ने भाजपा-संघ परिवार के शीर्षस्थ नेता आडवाणी के अलावा उन चार महान चेहरों को 'भारत-रत्न' के लिए चुना है, जो उनके राजनीतिक, वैचारिक विरोधी पक्ष के रहे हैं। डॉ. स्वामीनाथन तो गैर-राजनीतिक जमात के हैं। ये तीन 'भारत-रत्न' आज हमारे बीच में नहीं हैं, लेकिन ऐसा नहीं है कि वे प्रासंगिक नहीं हैं। चरण सिंह आज भी 'किसानों के मसीहा' हैं। उन्होंने जमींदारी प्रथा खत्म की, भूमि सुधार किए और किसानों को खेती का अर्थशास्त्र समझाते रहे। देश में आपातकाल के बाद 1977 में जो प्रथम गैर-कांग्रेसी, जनता पार्टी की सरकार बनी, चौधरी उसके रचनाकारों में थे। वह सरकार में गृहमंत्री भी रहे। 1979 में वह तत्कालीन कांग्रेस के समर्थन से देश के प्रधानमंत्री बने। इसे विडंबना या दुर्भाग्य कहें कि कुछ ही दिनों में समर्थन मोहभंग में तबदील हो गया। उसके कई कारण थे, जिन पर कई किताबें लिखी जा चुकी हैं। जमीनी राजनीति का चेहरा चरण सिंह ऐसे प्रधानमंत्री साबित हुए, जो संसद में विश्वास-मत हासिल करने नहीं जा पाए। 1991 में राजीव गांधी की हत्या के बाद पीवी नरसिम्हा राव को कांग्रेस की अल्पमत सरकार का प्रधानमंत्री बनाया गया, तो एकबारगी देश चौंक उठा था। बेशक उनका राजनीतिक आयाम बहुरंगी, विस्तृत था, लेकिन वह राजनीति से रिटायरमेंट घोषित कर चुके थे। बहरहाल तब देश के आर्थिक हालात बेहद खस्ता थे। सोना तक गिरवी रखना पड़ा था। विदेशी मुद्रा भंडार मात्र 1 अरब डॉलर का था। खाद्यान्न संकट था। देश में लालफीताशाही और इंस्पेक्टर राज का ही वर्चस्व था। उस दौर में नरसिम्हा राव ने अपने 'विजन' से इतिहास रच दिया। वह आर्थिक सुधारों, उदारीकरण और भारत को बहुराष्ट्रीय बाजार बनाने में कामयाब रहे। उनके वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने अपने प्रधानमंत्री के 'विजन' को मूर्त रूप दिया। नरसिम्हा राव ने ही बुनियादी जमीन तैयार की, जिस पर आज भारत 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। विश्व की ऐसी कोई बड़ी, बहुराष्ट्रीय कंपनी नहीं है, जिसका दफ्तर भारत में न हो और भारत उसके देश में मौजूद न हो। तीसरा अमूल्य 'रत्न' एमएस स्वामीनाथन हैं।

कांग्रेसी मजबूरी में राहुल गांधी को ढोने का काम कर रहे : कौशल किशोर

अजमेर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा कि विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। कांग्रेस में बड़े पैमाने पर लोग मजबूरी में राहुल गांधी को ढोने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता भी टूट कर अलग हट रहे हैं यह निष्क्रिय होकर चले जा रहे हैं। राहुल गांधी को मालूम ही नहीं कि उन्हें क्या करना और क्या बोलना और क्या कहना है। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर सोमवार को फॉयसागर रोड स्थित सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र- 2 में आयोजित रोजगार मेले में मीडिया से बातचीत में ऐसा कह रहे थे। यहां उन्होंने 250 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस मौके पर अजमेर सांसद भागीरथ चौधरी भी उनके साथ थे। केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर ने कहा- 250 के करीब युवाओं को नियुक्ति पत्र सौंपे गए हैं। देशभर में एक लाख से ज्यादा युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। यह 12वां रोजगार मेला आयोजित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि चुनाव से पहले 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देंगे। आने वाले समय में बचे हुए युवाओं को नियुक्ति पत्र देकर 10 लाख लोगों को सरकारी नौकरी देने का संकल्प पूरा करेंगे। विपक्ष के द्वारा ईवीएम पर उठाए गए सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि चंडीगढ़ में मेयर के हुए चुनाव में इस तरह की कोई बात नहीं हुई है। हालांकि इसकी जांच चल रही है। मेयर का चुनाव जो हुआ वह ईवीएम से नहीं हुआ था। उन्होंने कहा कि विपक्ष जहां पर जीत जाए वहां ईवीएम ठीक है। पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, हिमाचल में मशीन ठीक है। जहां हार जाए वहां ईवीएम मशीन खराब है। विपक्ष के पास कोई मुद्दा नहीं बचा है। इसलिए वह टेक्नोलॉजी पर सवाल उठाने का काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह समझदारी जब तक विपक्ष के लोगों में रहेगी तब तक वह राजनीति में प्रोग्रेस नहीं कर सकते हैं। उनको राष्ट्रीय और देश के निर्माण में प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा होना चाहिए और उनकी मदद करनी चाहिए। सेंट्रल मिनिस्टर कौशल किशोर ने कहा कि पूरा देश विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए सभी के दिल में तमन्ना है। जो नारा 1947 में मेक इन इंडिया का होना चाहिए था वह नारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2014 में आकर दिया। 80 करोड़ जनता को मुफ्त में राशन मिल रहा है। इसके साथ विभिन्न योजनाओं का लाभ लोगों को दिया जा रहा है। पूरे देश की जनता राष्ट्र और देश का निर्माण चाहती है। वह सभी लोग बीजेपी को वोट करेंगे। 370 से ज्यादा सीटे बीजेपी की और 400 से ज्यादा सीटे एनडीए की जीत कर आएगी। राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही न्याय यात्रा के सवाल पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी कुछ ना कुछ ऐसा बोल जाते हैं जिसकी वजह से उन्हीं की पार्टी के लोग नाराज हो जाते हैं। कांग्रेस में बड़े पैमाने पर मजबूरी में राहुल गांधी को ढोने का काम कर रहे हैं। कांग्रेस के नेता भी टूट कर अलग हट रहे हैं यह निष्क्रिय होकर चले जा रहे हैं। राहुल गांधी को मालूम ही नहीं कि उन्हें क्या करना और क्या बोलना और क्या कहना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमारे देश में बड़े पैमाने पर साजिश के तहत ड्रग्स भेजी जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को लाल किले के मैदान से बोला कि हमारे देश की युवाओं को नशे से दूर रहना चाहिए। केंद्रीय मंत्री अमित शाह की ओर से भी नशा मुक्त भारत बनाने का अभियान शुरू किया गया। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बड़े पैमाने पर ड्रग्स विदेश से आ रही है। सभी लोगों की जिम्मेदारी बनती है कि नशे से दूर रहे और अपने देश को भी नशे से दूर रखने का काम करें। स्कूलों में बच्चों के अंदर नशे को लेकर डर पैदा करें। आत्मनिर्भर भारत और व्यक्ति को बनाने के लिए नशा सबसे बड़ा बाधक है। युवाओं के अंदर एक डर पैदा करना है। इसके बारे में सभी की जिम्मेदारी बनती है की इसको बताने का काम करें।

बरेली के मौलाना तौकीर रजा दो संप्रदायों के बीच नफरत पैदा कर रहे

बरेली (हिंस)। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा के जेल भरो आंदोलन के बाद आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अजमेर दरगाह की ओर जारी किए वीडियो में मौलाना के शांतिपूर्ण आंदोलन को सराहा जा रहा हैं। दूसरी ओर भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने भाजपा कार्यालय पर सोमवार को प्रेसवार्ता करते हुए बताया कि मौलाना दो संप्रदायों के बीच नफरत पैदा करने का काम कर रहे हैं। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि जब भी कोई चुनाव नजदीक होते हैं तो मौलाना मुस्लिम समुदाय में भ्रम पैदा करने के लिए इस तरह की हरकत को अंजाम देते हैं। लेकिन मुस्लिम समुदाय ऐसे लोगों की मानसिकता को समझ चुका है। कोषाध्यक्ष ने कहा कि मौलाना को न देश के संविधान पर भरोसा है और न ही न्यायालय के निर्णय का कभी सम्मान किया। न्यायालय ने व्यास जी के तहखाने में पूजा की अनुमित दी, उसके बावजूद मौलाना जैसी मानसिकता रखने वाले लोग उग्र होकर शहर का माहौल खराब करने के प्रयास में जुट गए। मौलाना तौकीर रजा हमेशा कट्टरपंथी की बात करते हैं उन्होंने कभी भी समाज के हित में नहीं सोचा। मुस्लिम नौजवानों को बरगलाकर उनके मन में दूसरे समुदाय के लिए नफरत परोसी हैं। जबकि मुस्लिम समाज में भी कुछ ऐसे लोग हैं जो समाज हित की बात करते हैं। उन्होंने इमाम अहमद इल्यासी,प्रोफेसर इमरान हबीब समेत अन्य मुस्लिमों की जमकर सरहना की।

वही समाज आगे बढ़ता है जहां पर बालिका शिक्षा को बढ़ावा मिले : राज्यपाल

जयपुर (हिंस)। राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि शिक्षा वही सार्थक है जो लैंगिक विषमताओं को दूर करने वाली हो। उन्होनें कहा कि वही समाज तेजी से विकास की राहों पर आगे बढ़ता है, जहां पर बालिकाओं को शिक्षा के अधिकाधिक अवसर मिलते हैं। उन्होंने सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के इस दौर में उत्कृष्ट पुस्तकों के डिजिटलाइजेशन के लिए वृहद स्तर पर कार्य करने और डिजिटल पुस्तकालयों को जन—जन जन के लिए उपयोगी किए जाने का भी आह्वान किया है। मिश्र ने सोमवार को ब्रह्मलीन गौसेवी संत पदमाराम कुलरिया की पुण्य स्मृति में बीकानेर के नोखा में निर्मित प्रेरणालय *पदम स्मारक,* नवनिर्मित डिजिटल लाईब्रेरी, संग्रहालय, प्रतिमा लोकार्पण और बालिका विद्यालय शिलान्यास समारोह में जयपुर से वर्चुअल जुड़ते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि अपने लिए तो सभी कुछ करते हैं परन्तु जीवन की सार्थकता इसमें है कि हम समाज के लिए समर्पण भाव रखते हुए कार्य करें। उन्होंने संत कुलरिया की स्मृति में किए जा रहे समाज सेवा प्रकल्पों की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम महिला पुरुष बराबरी की बात तो करते हैं परंतु जब तक महिलाओं को शिक्षित होने के अधिकाधिक अवसर नहीं मिलेंगे वे पुरुषों की बराबरी पर नहीं आ सकेगी। उन्होंने केंद्र सरकार के *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* को इस दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया। मिश्र ने कहा कि की पदम स्मारक के अंतर्गत डिजिटल लाइब्रेरी और संग्रहालय की स्थापना को महत्वपूण बताते हुए कहा कि जीवन को गढ़ने वाली पुस्तकों का डिजिटल रूप यदि डिजिटल लाइब्रेरी में संग्रहित किया जाता है तो यह आने वाली पीढ़ियों के लिए बड़ा उपहार होगा। उन्होंने कहा कि किताबें कभी नष्ट नहीं होती। किंडल और अन्य रूपों में किताबें फिर से लोकप्रिय हो रही है। उन्होंने बालिका विद्यालय को समय संदर्भों में भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित करते हुए समाज में बालिका शिक्षा के लिए प्रभावी वातावरण निर्माण की भी आवश्यकता जताई।

दो स्टेप में राजस्थान पुलिस तक पहुंचाए अपनी शिकायत

जयपुर (हिंस)। राज्य सरकार की अपराध के प्रति जीरो-टॉलेरेंस नीति के अनुसरण में राजस्थान पुलिस ने आमजन के लिए डिजिटल माध्यम के जरिए कानून व्यवस्था से संबंधित शिकायतें हल करने के लिए सुविधा शुरू की है। इसके तहत एक्स (ट्विटर) पर मात्र दो स्टेप में कानून व्यवस्था से संबंधित अपनी शिकायत राजस्थान पुलिस तक पहुंचाई जा सकती है। राज्य सरकार और राजस्थान पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल्स से इस सुविधा का व्यापक प्रचार—प्रसार किया जा रहा है। यदि आमजन की कानून व्यवस्था के संबंध में कोई भी शिकायत है तो इसके लिए पहले स्टेप में एक्स (ट्विटर) अकाउंट पर जाना होगा और यदि अकाउंट नहीं है तो उसे क्रिएट करना होगा।

पंजाब के राज्यपाल का पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों में छठा दौरा 20 से 23 फरवरी तक

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित 20 से 23 फरवरी तक पाकिस्तान के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा करेंगे। यह छठी बार होगा जब वह पिछले ढाई वर्षों में सीमावर्ती क्षेत्रों के दौरे पर होंगे। राजभवन से सोमवार को जानकारी दी गई कि राज्यपाल पाकिस्तान की सीमा से लगे जिलों पठानकोट, गुरुदासपुर, अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का में जाएंगे। वह इस यात्रा में पिछले दौरों के बाद हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे। साथ ही हाल के दिनों में सामने आए किसी भी नए मुद्दे के समाधान के लिए केंद्रीय एजेंसियों और राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य केंद्रीय और राज्य एजेंसियों के बीच बाधाओं को दूर करने के

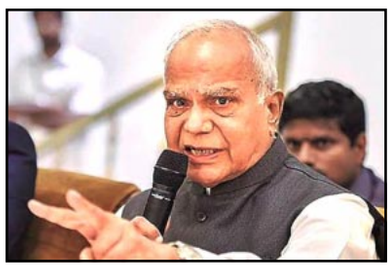

लिए समन्वय बढ़ाना है। बैठकों में विशेष रूप से सीमा बुनियादी ढांचे, सुरक्षा, तस्करी और सीमावर्ती क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी के खतरे से निपटने पर फोकस किया जाएगा। राज्यपाल के एजेंडे में ग्राम रक्षा समितियों (वीडीसी) के साथ बातचीत भी शामिल है, जो सीमावर्ती क्षेत्रों में नशीले पदार्थों और अन्य सामाजिक बुराइयों से निपटने में सहायक साबित हुई हैं। इन कार्यवाहियों का उद्देश्य विभिन्न जन प्रतिनिधियों और प्रेस से जमीनी स्तर की जानकारी और प्रतिक्रिया जुटाना है, जिससे केंद्र और राज्य सरकार दोनों स्तरों पर सीमावर्ती क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न मुद्दों से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। इस महत्वपूर्ण सीमा दौरे में पंजाब के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), सेना, राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) के प्रमुखों के साथ-साथ प्रत्येक जिले के संबंधित उपायुक्तों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है।

घर में आग लगने से तीन बहनों की जलकर मौत

रामबन (हिंस)। रामबन जिले के रामसू में रविवार देर रात एक घर में आग लगने से तीन बहनों की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस आग लगने के मामले की जांच कर रही है। जिला प्रशासन ने पीड़ित परिवार को हरसंभव सहायता देने की बात कही है। रामबन के उपायुक्त बसीर उल हक चौधरी ने सोमवार को बताया कि रामसू के ताजनिहाल इलाके में बीती रात एक मकान में आग लग गई। मकान की तीसरी मंजिल पर तीन बहनें सो रही थीं। तीनों अचानक घर में लगी आग की लपटों में घिर गईं और सभी की जिंदा जलकर मौत हो गई। इस अग्निकांड में घर भी क्षतिग्रस्त हो गया है। उपायुक्त चौधरी ने बताया कि मरने वाली तीनों बहनें ताजनिहाल निवासी अब्दुल लतीफ लोन की बेटियां 16 वर्षीय सानिया, 14 वर्षीय बिस्मा और 12 वर्षीय सैका थी। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भारत विश्व की तीन प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में होगा शामिल : हरदीप सिंह पुरी

गुरुग्राम (हिंस)। केंद्रीय आवास, शहरी मामले, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा देश निरंतर आर्थिक प्रगति की ओर अग्रसर है। इस समय हम दुनिया में पांचवें स्थान पर हैं। आने वाले समय में विश्व की पहली तीन अर्थव्यवस्थाओं में भारत का नाम होगा। यह बात उन्होंने गांव कादरपुर स्थित केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) परिसर के सभागार में आयोजित रोजगार मेला को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान वर्चुअल मोड से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश भर के एक लाख युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जाने के कार्य का शुभारंभ किया और अपना वक्तव्य दिया। मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि 17वीं शताब्दी तक भारत को समृद्ध जीडीपी के बल पर सोने की चिडि ?ा कहा जाता था। उस समय भारत का विश्व की अर्थव्यवस्था में 25 प्रतिशत योगदान होता था। ब्रिटिश हुकूमत के समय भारत की अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट आई। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली तो भारत आर्थिक दृष्टि से दुनिया में 11वें स्थान पर था। प्रधानमंत्री ने इस स्थिति से देश को निकालने के लिए भरसक प्रयत्न किए और परिणामस्वरूप आज हम पांचवें स्थान पर आ गए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले पांच साल में भारत दुनिया की तीन बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होगा। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य है कि वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र के रूप में निर्मित किया जाए। इस दिशा में यह रोजगार मेला एक सार्थक प्रयास है। इससे युवाओं को नई ऊर्जा मिलेगी और वे राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में 350 युवाओं को अर्द्धसैनिक बल, दिल्ली पुलिस व केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के नियुक्ति पत्र दिए गए। मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने अपने करकमलों से चयनित युवक-युवतियों को ये नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने सीआरपीएफ में अनुकंपा के आधार पर नौकरी पाने वाले दो शहीद कर्मचारियों के आश्रितों को भी नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस अवसर पर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिरीक्षक नरेश कुमार यादव, उप महानिरीक्षक दिलीप सिंह अंबेश, उप महानिरीक्षक चिकित्सा डॉ. शालिनी तिवारी, कमांडेंट विजय सिंह खटाना, उप कमांडेंट रंजीत कुमार सिंह सहित अनेक अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा योग को शिक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल करने वाला पहला राज्य : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। प्रदेश के 6500 गांवों एवं 14000 विद्यालयों में चल रहे हर घर परिवार सूर्य नमस्कार अभियान के अंतर्गत सोमवार को महर्षि दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर जगाधरी में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने शिरकत की। इस मौके पर हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य और एससीईआरटी गुरूग्राम के निदेशक सुनील बजाज ऑनलाइन माध्यम से उपस्थित रहे। इसी कड़ी में माध्यमिक शिक्षा विभाग एवं एससीईआरटी गुरुग्राम के प्रयासों से प्रदेश के लगभग 14 हजार विद्यालयों को इस कार्यक्रम में जोड़ने के लिए दिशा-निर्देश दिए गए, जिसमें ऑनलाइन माध्यम से लगभग 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों की भागीदारी रही। हरियाणा के स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल ने इस अवसर पर हरियाणा योग आयोग, शिक्षा विभाग एवं आयुष विभाग द्वारा आयोजित सूर्य नमस्कार अभियान के तहत हरियाणा के सभी 14 हजार विद्यालयों के 5 लाख से अधिक विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि महर्षि दयानन्द सरस्वती का भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने नारी शिक्षा एवं गुरुकुल प्रणाली संस्कृत उत्थान को लेकर महत्वपूर्ण कार्य किया है।

ब्रिटिश कोलंबिया विस अध्यक्ष ने हरियाणा के स्पीकर से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़ (हिंस)। कनाडा के प्रांत ब्रिटिश कोलंबिया विधानसभा के अध्यक्ष राज चौहान ने सोमवार को हरियाणा विधानसभा सचिवालय पहुंचकर स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता से भेंट की। इस दौरान पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवा भी उपस्थित रहे। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता और ब्रिटिश कोलंबिया विधानसभा के अध्यक्ष राज चौहान की पहली मुलाकात कनाडा के शहर हैलिफैक्स में अगस्त 2022 में आयोजित 65वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन में हुई थी। तब दोनों नेताओं ने एक-दूसरे के यहां आने की बात हुई थी।

नंद किशोर यादव होंगे बिहार विधानसभा के अध्यक्ष

पटना (हिंस)। बिहार में एनडीए की सरकार के फ्लोर टेस्ट के बाद भाजपा विधायक नंद किशोर यादव बिहार विधानसभा के नए अध्यक्ष बनेंगे। विधायक नंद किशोर यादव मंगलवार को नामांकन करेंगे। नंद किशोर यादव भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं और बिहार सरकार में लंबे समय तक मंत्री रहे हैं। 1978 में पहली बार नंदकिशोर यादव पटना नगर निगम से पार्षद का चुनाव जीते और 1982 में पटना के उप महापौर चुने गए। साल 1983 में पटना महानगर अध्यक्ष और 1990 में भाजपा के युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए। साल 1995 में नंदकिशोर यादव पटना के पूर्वी क्षेत्र से विधानसभा का चुनाव लड़े और विधायक चुने गए। इसके बाद पटना साहिब विधानसभा सीट से नंदकिशोर यादव भाजपा के टिकट पर लंबे समय से विधायक रहे हैं। एनडीए की सरकार में वे कई विभागों के मंत्री के रूप में दायित्व संभाल चुके हैं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को बिहार में नीतीश सरकार के फ्लोर टेस्ट से पहले विधानसभा स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया। इस अविश्वास प्रस्ताव के तहत वोटिंग कराई गई। वोटिंग के बाद स्पीकर को कुर्सी से हटना पड़ा।

सफाई कर्मियों ने धरने पर पहुंचे स्कूल शिक्षा मंत्री

यमुनानगर (हिंस)। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवरपाल सोमवार को जगाधरी निगम के बाहर पे-रोल सफाई कर्मचारियों के समान काम समान वेतन के आधार पर नवंबर 2017 से बकाया एरियर की मांग को लेकर धरने पर बैठे कर्मचारियों से मिलने पहुंचे। स्कूल शिक्षा मंत्री ने वही सं फोन पर निगम आयुक्त से बातचीत की और कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि बकाया एरियर को लेकर दोनों नगर निगम कार्यालयों के गेट पर सफाई कर्मचारी लगातार 8 जनवरी से प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान सफाई कर्मचारियों ने शहर की मुख्य सड़कों पर उल्टी झाड़ू, काले झंडे व बैनर तख्तियों सहित जलूस निकालकर अपना विरोध प्रकट किया

लेकिन नगर निगम प्रशासन के कान पर जूं नहीं रेंगी। सोमवार को स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल जगाधरी शहर के एक नाले का उदघाटन करने निगम कार्यालय के गेट पर पहुंचे थे। तभी मंत्री धरने पर बैठे कर्मचारियों के बीच पहुंच गए और उनकी बातों को सुना। इसके बाद मंत्री कंवरपाल ने कर्मचारियों के एरियर की समस्या को लेकर कमिश्नर को फोन किया और उन्हें कर्मचारियों के एरियर के भुगतान करने को कहा। मंत्री ने सफाई कर्मचारियों को जल्द से जल्द एरियर का भुगतान करवाने आश्वासन दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में निगम कर्मी उपस्थित रहें।

ईडी की जांच में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विनोद सिंह का 201 पन्ने का चैट आया सामने

रांची (हिंस)। ईडी की जांच में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विनोद सिंह का 201 पन्ने का चैट सामने आया है। सोमवार को कोर्ट में हेमंत की पेशी के दौरान ईडी ने अदालत के समक्ष दावा किया है कि हेमंत और विनोद सिंह के बीच 201 पन्नों का नया चैट निकाला गया है ईडी का दावा यह भी है कि इस चैट में बरियातु की 8.5 एकड़ हेमंत सोरेन के कब्जे वाली जमीन पर होने वाले निर्माण से संबंधित कई मामले हैं, जो पीएमएलए 2022 के अंतर्गत आते हैं। ईडी की ओर से पहले के रिमांड में यह भी कहा गया है कि व्हाट्सएप चैट में न केवल कई संपत्तियों के बारे में गोपनीय जानकारी का आदान-प्रदान शामिल है, बल्कि ट्रांसफर-पोस्टिंग, सरकारी रिकॉर्ड साझा करने आदि से संबंधित अन्य आपत्तिजनक जानकारी भी शामिल है, जिसमें से बड़ी रकम

भी शामिल है। ऐसा प्रतीत होता है कि धन का सृजन और लेन-देन किया गया है। ईडी ने कोर्ट को बताया है कि हेमंत सोरेन और विनोद सिंह के बीच जिस मोबाइल फोन से चैट किया गया था। वह मोबाइल हेमंत की ओर से ईडी को नहीं दिया जा रहा। कोर्ट में ईडी ने हेमंत पर पावर का गलत उपायेग करने और सबूतो को नष्ट करने की आशंका भी जताई है। ईडी ने कोर्ट में कहा कि हेमंत सोरेन जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। अपने और उससे जुड़े अन्य व्यक्तियों के जरिए अर्जित संपत्तियों के बारे में सही तथ्य भी नहीं बता रहे हैं। ईडी ने कोर्ट से कहा है कि हेमंत सोरेन और उनका सहयोगी बिनोद सिंह के साथ व्हाट्सएप चैट से सामना कराया जा रहा है, जिसमें अचल संपत्तियों से संबंधित सूचनाओं का आदान-प्रदान शामिल है। हेमंत सोरेन संपत्तियों की जानकारी छुपाने के लिए व्हाट्सएप चैट पर हस्ताक्षर करने और स्वीकार करने से भी इनकार कर रहा है। 6 अप्रैल 2021 को विनोद सिंह ने बैक्वेट हॉल के निर्माण का नक्शा हेमंत सोरेन को चैट के जरिए भेजा था। ईडी का दावा है कि इस चैट में जो लोकेशन दिया गया है, वह बरियातु स्थित 8.5 एकड़ जमीन है। इसपर हेमंत सोरेन का कब्जा है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि हेमंत सोरेन संपत्ति से संबंधित किसी भी तरह की जानकारी साझा नहीं कर रहे हैं।

उदयपुर में बोले गडकरी-जयपुर-दिल्ली के बीच शीघ्र बनेगा देश का पहला ई-हाइवे

राजस्थान में 2500 करोड़ रुपए की 17 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

उदयपुर (हिंस)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को राजस्थान में विभिन्न सड़क परियोजनाओं की सौगात देते हुए ऐलान किया है कि जयपुर-दिल्ली के बीच शीघ्र इलेक्ट्रिक हाईवे बनेगा। दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे के साथ ही यह इलेक्ट्रिक हाई-वे एक नई लेन पर बनाया जाएगा। जयपुर से दिल्ली के बीच देश में ई-हाइवे का यह पहला प्रयोग होगा। गडकरी आज उदयपुर में महाराणा प्रताप हवाई अड्डे के समीप एक निजी रिसोर्ट में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी सहित विभिन्न जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में गडकरी ने राजस्थान में 2500 करोड़ रुपए लागत की 17 सड़क परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। गडकरी ने कहा कि उन्होंने पानी में उतरने वाले हवाई जहाज की संकल्पना की थी और साबरमती में साकार किया। राजस्थान पर्यटन शहर है और यहां झीलें भी हैं। यहां भी पर्यटन की दृष्टि से पानी में भी उतर सकने वाले हवाई जहाज चलाने पर विचार किया जा सकता है। एयरपोर्ट के साथ रिवर पोर्ट पर भी विचार किया जा सकता है। उन्होंने अमेरिका के पहले राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी के कहे गए वाक्य का उदाहरण देते हुए कहा कि जहां भी रोड नेटवर्क विकसित होता है, वहां नया शहर बसता है। उन्होंने उदयपुर के नए बाईपास को लेकर कहा कि इससे उदयपुर में एक्सपोर्ट की सुविधा बढ़ेगी, जिससे उद्योगों को लाभ होगा और नए रोजगार सृजित होंगे। गडकरी ने यह भी कहा कि हम रोड नेटवर्क बना रहे हैं लेकिन इसके साथ हमें

फ्यूल ट्रांसफॉर्मेशन पर भी सोचना होगा। पेट्रोल-डीजल से हटकर बायो फ्यूल व वैकल्पिक फ्यूल की तरफ बढ़ना होगा। उन्होंने ई-हाइवे की अवधारणा पर कहा कि सड़क के ऊपर से गुजरती इलेक्ट्रिक लाइन से तीन बसों जितनी लम्बी बस जुड़ी होगी। इन बसों का सफर यात्रियों हवाई जहाज के सफर का अहसास कराएगा। इसका किराया भी तुलनात्मक रूप से कम होगा। गडकरी ने कार्यक्रम में चित्तौड़गढ़-उदयपुर खंड के सिक्स लेन निर्माण, ब्यावर-आसींद खंड के दो लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण, आसींद-मांडल खंड के 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण, ब्यावर-गोमती खंड बाघाना से मादा की बस्सी 4 लेन निर्माण, भंवरासिया से मोडी-कुराबड़ सड़क एमडीआर-150 के चौड़ीकरण का लोकार्पण किया। गडकरी ने गागरिया-मुनाबाव खंड के 2 लेन पेव्ड शोल्डर निर्माण, सांचौर शहर में एलिवेटेड राजमार्ग निर्माण, साकरोदा-मेनार सड़क के चौड़ाईकरण एवं सुदृढ़करण कार्य, बालूखल से अमलवाडा-अली-मौखमपुरा सड़क के चौड़ाईकरण कार्य, घणोली-देलवाड़ा सड़क के चौड़ाईकरण एवं सुदृ ?ीकरण कार्य, चेनपुरा फाटक, झिलाई फाटक टोंक, रीको फाटक भरतपुर, हिण्डौन फाटक, हरसोली फाटक, डबल फाटक अलवर, सांचोर फाटक पर सेतुबंधन परियोजना के अंतर्गत रेलवे क्रॉसिंग पर सात पुलों के निर्माण का शिलान्यास किया। इससे पूर्व, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय मंत्री गडकरी का स्वागत करते हुए कहा कि वे उनसे जितनी बार मिलते हैं, कार्य के साथ नए आइडिया भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में डबल इंजन की सरकार रोड नेटवर्क के साथ अन्य जरूरतों की दिशा में भी कार्य कर रही है।

क्या स्पाइसजेट में होने वाली है 1,400 कर्मचारियों की छंटनी एयरलाइन ने कही यह बात

नई दिल्ली ।
नकदी संकट से जूझ रही बजट एयरलाइन स्पाइसजेट लागत में कटौती और निवेशकों की रुचि बनाए रखने के लिए 1,400 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। एयरलाइन में वर्तमान में 9,000 कर्मचारी हैं और यह लगभग 30 विमानों का संचालन करता है। इनमें से आठ विदेशी वाहकों से वेट-लीज पर लिए गए हैं, साथ ही चालक दल और पायलट भी इसके साथ हैं। स्पाइसजेट ने नौकरी में कटौती की पुष्टि की है। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा, यह फैसला परिचालन आवश्यकताओं को देखते हुए कंपनी की लागत कम करने के लिए लिया गया है।

मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स ने कहा कि 60 करोड़ रुपये के सैलरी बिल को देखते हुए कर्मचारियों की संख्या में कटौती का जरूरी हो गया था।

एक अन्य शख्स ने छंटनी का जिक्र करते हुए बताया, लोगों को पहले से ही कॉल आना शुरू हो गया है। स्पाइसजेट कई महीनों से वेतन भुगतान में देरी कर रही है। कई लोगों को अभी तक जनवरी का वेतन नहीं मिला है। स्पाइसजेट ने कहा है कि वह 2,200 करोड़ रुपये का फंड हासिल करने की प्रक्रिया में है। लेकिन जानकारों का मानना है कि कुछ निवेशकों ने इसमे दिलचस्पी नहीं दिखाई है। हालांकि, एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा, फंडिंग में कोई देरी नहीं हो रही है और हम अपने फंड इकट्ठा करने के मामले में अच्छी तरह से प्रगति कर रहे हैं और पहले ही अपनी सार्वजनिक घोषणाएं कर चुके हैं। हम अगली किस्त के लिए अतिरिक्त घोषणाएं करेंगे। अधिकांश निवेशकों ने इसमें दिलचस्पी दिखाई है।

2019 में जब स्पाइसजेट अपने चरम पर था, एयरलाइन के पास 118 विमानों का बेड़ा था और 16,000 कर्मचारी थे। बाजार हिस्सेदारी के मामले में इसका निकटतम प्रतिद्वंद्वी अकासा एयर है, जिसमें 23 विमानों का बेड़ा और 3,500 कर्मचारी हैं। घरेलू बाजार में उनकी लगभग 4 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

न्यूज ब्रीफ

केंद्र ने राज्यों से उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली आपूर्ती सुनिश्चित करने को दशिानर्दिश का पालन करने को कहा

नई दिल्ली। केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने तेजी से बढ़ती बिजली की मांग के अनुरूप देश की बिजली क्षमता में पर्याप्त वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को संसाधन पर्याप्तता दिशानिर्देश का पालन करने के लिए एक विस्तृत पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि संसाधन पर्याप्तता (आरए) दिशानिर्देशों के अनुसार, वितरण लाइसेंसधारियों को ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए 10 साल के क्षितिज (रोलिंग आधार पर) के लिए आरए योजना तैयार करना अनिवार्य है। पत्र में लिखा है,यह जरूरी है कि सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को नियमों और दिशानिर्देशों के अनुसार 2024-25 से 2033-34 की अवधि के लिए अपनी संसाधन पर्याप्तता योजनाओं को पूरा करना होगा। यह आवश्यक है कि सभी वितरण लाइसेंसधारी चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति के लिए पर्याप्त क्षमता विकसित करें। इसमें कहा गया है कि आज की तारीख में वर्ष 2031-32 तक के लिए संसाधन पर्याप्तता (आरए) अध्ययन केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा 23 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों के लिए पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों, अर्थात् दिल्ली, गोवा, सिक्किम, हरियाणा, बिहार, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, पुडुचेरी और जम्मू-कश्मीर के लिए के लिए आरए अध्ययन प्रगति पर है। हालांकि, वितरण लाइसेंसधारियों को अब राष्ट्रीय स्तर के आरए अध्ययन करने के लिए वर्ष 2033-34 तक का डेटा सीईए को जमा करना होगा। तदनुसार, संसाधन पर्याप्तता दिशानिर्देशों के पालन के लिए राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को 2 फरवरी, 2024 को एक विस्तृत पत्र भेजा गया है।

छठी बार रेपो दर स्थिर, बचत के लिए होम लोन ब्याज का ऐसे करें आकलन

नई दिल्ली । आरबीआई ने रेपो दर में लगातार छठी बार कोई बदलाव नहीं किया है। इसके बावजूद होम लोन पर ब्याज दर पिछले साल की तुलना में कम है। ऐसे में अगर आप नया मकान खरीदना चाहते हैं या कोई पुराना होम लोन चुका रहे हैं तो ब्याज दरों का आकलन जरूर करें। इससे आप अच्छी-खासी रकम बचा सकते हैं। कालीचरण की रिपोर्ट... कर्ज पिछले साल से सस्ता पिछले साल होम लोन की ब्याज दरों में नरमी आई है। हालांकि, दरें फरवरी, 2022 की तुलना में अधिक और फरवरी, 2023 के मुकाबले कम हैं। सबसे कम ब्याज दरों का लाभ उन्हीं कर्जदारों को मिल रहा है, जिनकी आय स्थिर है। क्रेडिट स्कोर 750 से अधिक है। कर्ज-मूल्य अनुपात कम है। महिलाओं, ब्लूचिप कंपनियों के वेतनभोगियों, सरकारी कर्मचारियों, प्रीमियम संपत्ति खरीदारों व होम लोन रिफाइनेंस कराने वालों के लिए भी कम ब्याज दर होम लोन उपलब्ध है। इस समय होम लोन पर सबसे कम ब्याज 8.30 से 8.60 फीसदी के बीच है। अब क्या करें होम लोन 2020 से पहले का है तो संभव है कि आप अधिक ब्याज चुका रहे हों। इससे बचने के लिए मौजूदा ब्याज दर का आकलन करें। अगर आप पर होम लोन का आधा से अधिक बकाया है और ब्याज दर आपकी मौजूदा पात्रता से 50-100 आधार अंक अधिक है तो रेपो लिंक्ड रिफाइनेंसिंग पर विचार कर सकते हैं। इसके अलावा, आप अपने मौजूदा होम लोन को किसी अन्य बैंक या कर्जदाता के पास हस्तांतरित करा सकते हैं। इससे बचत करने में मदद मिलेगी। नए कर्जदार हैं तो नया मकान खरीदना चाहते हैं तो अपनी पात्रता के अनुसार कम-से-कम ब्याज दर पर होम लोन लेने का प्रयास कर सकते हैं।इसके लिए आप दो तरीके अपना सकते हैं। पहला, क्रेडिट कार्ड या अन्य बकाया न हो। सभी भुगतान अपडेट हों। दूसरा, अपने क्रेडिट स्कोर पर बारीकी से नजर रखें। इसकी हर महीने निशुल्क जांच करते रहें।750 का क्रेडिट स्कोर बहुत अच्छा माना जाता है। 800 से अधिक का क्रेडिट स्कोर सर्वोत्तम है। हर एक लाख पर बचा सकते हैं 6,500 रुपये होम लोन भुगतान की अवधि 10 साल बची है और अगर आप ब्याज दर को 9.50 फीसदी से घटाकर 8.50 फीसदी तक ला सकते हैं तो हर एक लाख रुपये पर करीब 6,500 रुपये बचा सकते हैं। उदाहरण के लिए, 30 लाख रुपये का होम लोन बकाया है तो 10 साल में 1.95 लाख बचा सकते हैं। यानी हर साल 19,500 रुपये। दरों में कमी का सिलसिला शुरू होने पर बचत में तेजी आएगी। सरकारी बैंक से ऋण लेने वाले ध्यान दें आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंक बाजार ने कहा कि आरबीआई के आंकड़ों से पता चलता है कि सरकारी बैंकों का बकाया कर्ज अब भी पुराने मानकों पर आधारित है। निजी बैंकों में 79 फीसदी कर्ज रेपो दर आधारित हैं। वहीं, 12 सरकारी बैंकों के सिर्फ 38 प्रतिशत कर्ज ही रेपो आधारित हैं।

श्रीलंका और मॉरिशस में यूपीआई लॉन्च

भारतीय टूरिस्ट यहां कर सकेंगे यूपीआई पेमेंट, 2 फरवरी को फ्रांस में सर्विस शुरू हुई थी

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका और मॉरीशस में यूपीआई यानी यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस सर्विस लॉन्च कर दिया है। श्रीलंका और मॉरीशस जाने वाले भारतीय नागरिकों के साथ-साथ भारत की यात्रा करने वाले मॉरीशस के नागरिक इसका इस्तेमाल कर सकेंगे। हाल ही फ्रांस में भी यूपीआई सर्विस की शुरुआत हुई थी।

श्रीलंका के राष्ट्रपति और मॉरीशस के प्रधानमंत्री मौजूद

लॉन्च के मौके पर पीएम मोदी ने कहा, भारत का यूपीआई अब एक नई जिम्मेदारी निभा रहा है - यूनाइटिंग पार्टनर्स विद इंडिया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुए कार्यक्रम में मोदी के साथ श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ के साथ तीनों देशों के सेंट्रल बैंक के गवर्नर भी मौजूद थे।

मोदी ने मॉरिशस में रूपे कार्ड सर्विस भी लॉन्च की

पीएम मोदी ने मॉरिशस में यूपीआई सर्विस के साथ रूपे कार्ड सर्विस भी लॉन्च की है। अब मॉरिशस के बैंक अपने यहां रूपे मैकेनिज्म पर बेस्ड कार्ड जारी कर पाएंगे। इससे दोनों देशों के लोग अपने देश के साथ-साथ एक-दूसरे के यहां भी इन कार्ड्स के जरिए मिलने वाली सेवाओं का इस्तेमाल कर पाएंगे।

2 फरवरी को फ्रांस में लॉन्च किया था

फ्रांस में भारतीय दूतावास ने 2 फरवरी को पेरिस के एफिल टावर पर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को औपचारिक रूप से लॉन्च किया था। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा था- यह देखकर बहुत अच्छा लगा। खुशी हुई। यह यूपीआई को ग्लोबल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा मिलेगा।

मैक्रों की भारत यात्रा के बाद हुई लॉन्चिंग

यह लॉन्चिंग फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की भारत यात्रा के बाद हुई थी। 25 जनवरी को मैक्रों जयपुर पहुंचे थे। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें यूपीआई पेमेंट डिजिटल सिस्टम के बारे में जानकारी दी थी। उन्हें पेमेंट करना सिखाया था। इसके अलावा दोनों लीडर्स ने चाय पी थी। इसका पेमेंट राष्ट्रपति मैक्रों ने किया था।

यूपीआई 2016 में लॉन्च हुआ था

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। इसने आसान तरीके से सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में केवायसी जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता।

यूपीआई को एनसीपीआई ऑपरेट करता है

भारत में आरटीजीएस और एनईएफटी पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। आईएमपीएस , रूपे , यूपीआई जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती है। सरकार ने 1 जनवरी 2020 से यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए एक जीरो-चार्ज फ्रेमवर्क मैंडेटरी किया था।

दिसंबर 2023 में 1200 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शंस हुए

हाल ही में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने युगांडा और नाइजीरिया के दौरे पर कहा कि भारत में सिर्फ एक महीने में इतने कैशलेस ट्रांजैक्शन हुए, जितने अमेरिका 3 साल में करता है। दिसंबर 2023 में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिए 1200 करोड़ से ज्यादा ट्रांजैक्शंस हुए। यह लेन-देन 18.23 लाख करोड़ रुपए का था। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने ये आंकड़े जारी करते हुए बताया कि इससे पहले नवंबर में 17.40 लाख करोड़ रुपए का लेन-देन हुआ था। यानी लोगों को यह पेमेंट मोड खूब भा रहा है।

सैमसंग के चेयरमैन ने निवेश शुरू करने पर दिया जोर

सोल।
सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के चेयरमैन ली जे-योंग ने मलेशिया में सैमसंग एसडीआई की बैटरी प्रोडक्शन लाइन की विजिट के दौरान निवेश के महत्व पर जोर दिया है। दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े समूह का नियंत्रण अपने हाथ में लेने के लिए कथित तौर पर सैमसंग की दो सहयोगी कंपनियों के 2015 में हुए विवादास्पद विलय पर एक अदालत के फैसले में उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिए जाने के बाद ली जे-योंग की यह पहली विदेश यात्रा है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कुआलालंपुर से 65 किलोमीटर दक्षिण में सेरेम्बन में कारखाने के दौरे के दौरान ली के हवाले से कहा, हमें केवल शॉर्ट-टर्म परफॉर्मेंस पर ध्यान केंद्रित नहीं करना चाहिए, बल्कि साहसिक चुनौतियों का सामना करके बदलाव का नेतृत्व करना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, सैमसंग 2022 से 1.7 ट्रिलियन वोन (1.2 बिलियन डॉलर) के बजट के साथ इस क्षेत्र में एक अतिरिक्त प्रोडक्शन लाइन का निर्माण कर रहा है।

कंपनी ने कहा कि ली ने कंपनी के लेटेस्ट गैलेक्सी एस24 स्मार्टफोन पर स्थानीय उपभोक्ताओं की प्रतिक्रिया जानने के लिए कुआलालंपुर का भी दौरा किया।

पिछले हफ्ते, अभियोजकों ने एक विवादास्पद सैमसंग विलय मामले में सैमसंग के अध्यक्ष ली जे-योंग को हाल ही में अदालत द्वारा बरी किए जाने के खिलाफ अपील की थी।

अभियोजन पक्ष ने दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े समूह के प्रमुख के लिए पांच साल की जेल की सजा की मांग की थी।

इस बीच, सेमीकंडक्टर बिजनेस में सुस्ती के कारण सैमसंग का चौथी तिमाही का परिचालन लाभ एक साल पहले की तुलना में 34.4 प्रतिशत कम हो गया, लेकिन, मांग में सुधार के कारण इसका मेमोरी चिप सेगमेंट घाटे में चला गया।

अमेरिका स्थित फिनटेक फॉर्मिडियम ने भारत में खोला नया ऑफिस, 50 से ज्यादा कर्मचारियों की होगी भर्ती

नई दिल्ली।
अमेरिका स्थित फिनटेक कंपनी फॉर्मिडियम ने कहा कि उसने भारत में एक नया ऑफिस खोला है और अगले तीन सालों में अलग-अलग पदों पर 50 से ज्यादा कर्मचारियों को नियुक्त करने की योजना है।कंपनी ने बेंगलुरु में नया ऑफिस सेंटर ऑफ इनोवेशन (सीओआई) स्थापित किया।

फॉर्मिडियम के संस्थापक और सीईओ नीलेश सुद्रानिया ने एक बयान में कहा, हम फंड प्रशासन व्यवसाय में एक तकनीक-सक्षम फिनटेक फर्म के रूप में अपनी यात्रा को गति प्रदान करने के लिए भारत की सिलिकॉन वैली में उपलब्ध रोमांचक टैलेंट पूल का उपयोग करना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हम अगले तीन सालों में 40-50 से ज्यादा उम्मीदवारों को नियुक्त करेंगे। उम्मीद है कि अगले पांच वर्षों में कर्मचारियों की संख्या दोगुनी हो जाएगी।

कंपनी के अनुसार, नया ऑफिस टेक डेवलपमेंट पर फोकस करेगा और ब्लॉकचेन, एआई और फिनटेक में रिसर्च, डेवलपमेंट और एग्जीक्यूशन प्रयासों का नेतृत्व करेगा। फॉर्मिडियम सीओआई के लिए क्लाउड, सिक्योरिटी, ब्लॉकचेन और जनरल एआई में प्रतिभाओं

को नियुक्त करना चाहता है। इंजीनियरिंग, आर्किटेक्चर और प्रोडक्ट भूमिकाओं में पद हैं।

फॉर्मिडियम 2016 से जयपुर और अहमदाबाद जैसे भारत के प्रमुख शहरों में परिचालन में है, जिसमें भारत में कुल 800 से ज्यादा कर्मचारी हैं।

कंपनी फंड प्रशासन और निवेश प्रबंधन के तरीके को बदलने के लिए टेक्नोलॉजी को प्राथमिकता देती है। यह फंड मैनेजर्स के लिए इनोवेटिव टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन, वैश्विक पहुंच के साथ हाई-क्वालिटी फंड सर्विस प्रदान करता है।

विशेष परिस्थितियों वाले फंड में भी बेहतर रिटर्न

नई दिल्ली ।
किसी विशेष परिस्थिति का निर्माण तब होता है, जब कंपनी या क्षेत्र से जुड़े कानून बदलते हैं या नियामकीय परिवर्तन होते हैं या वैश्विक स्तर पर बड़ी घटनाएं घटती हैं या खुद कंपनी के भीतर कोई समस्या पैदा हो जाए। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल इंडिया अपॉर्च्युनिटीज जैसा फंड ऐसी विशेष परिस्थितियों से गुजर रही कंपनियों में निवेश कर मौके का फायदा उठाता है। ऐसे फंडों को अब तक जिस चीज से मदद मिली है, वह है उपयुक्त फंडों का चुनाव और समय पर मुनाफावसूली। कुछ शेयरों पर दांव लगाने से बेंचमार्क के मुकाबले ज्यादा रिटर्न देने में ये फंड मदद करते हैं। स्कीम रिटर्न में योगदान देने वाले कुछ प्रमुख क्षेत्र जैसे ऑटो,दूरसंचार, फार्मा, पावर, बैंक और वित्त रहे हैं।

विदेशी प्रतिभूतियों में भी निवेश की सुविधा

इस तरह के फंड में विदेशी प्रतिभूतियों में निवेश करने की सुविधा भी होती है। यानी घरेलू और विदेशी दोनों जगह पर ये निवेश करते हैं। विशेष परिस्थितियों को एक थीम के रूप में मौजूदा दौर में भारतीय निवेशकों के बीच कम ही पसंद किया जाता है। इसका उद्देश्य संकट के समय में निवेशकों को लंबे समय के अवसरों में बदलना है। मुख्य निवेश रणनीति विशेष परिस्थितियों में कंपनियों की पहचान करती है।

सभी क्षेत्र और बाजार पूंजीकरण में निवेश

यह फंड विभिन्न क्षेत्रों और बाजार पूंजीकरण में निवेश करता है। इस फंड के कुल निवेश में से 69 फीसदी हिस्सा लार्जकैप में है। मिडकैप में 21 फीसदी और स्मॉलकैप शेयरों में 10 फीसदी हिस्सा है। इस फंड में 15 जनवरी, 2019 को 10 लाख रुपये का किया गया निवेश 15 जनवरी, 2024 तक बढ़कर 28 लाख रुपये हो गया है। यह 22.9 फीसदी का चक्रवृद्धि दर से फायदा है। इसकी तुलना में, स्कीम के बेंचमार्क निफ्टी 500 टीआरआई में यह निवेश सिर्फ 23 लाख हुआ यानी 19 फीसदी रिटर्न।

तीन साल में सालाना 37 फीसदी से ज्यादा रिटर्न

तीन साल में इस फंड का रिटर्न 37.7 फीसदी चक्रवृद्धि रहा है। बेंचमार्क का रिटर्न केवल 17.9 फीसदी रहा है। यदि किसी निवेशक ने 2019 में 10,000 रुपये का मासिक एसआईपी शुरू किया तो कुल निवेश 6 लाख रुपये होगा।

यह रकम अब 12.58 लाख रुपये हो गई यानी 30.13 फीसदी की दर से रिटर्न दिया है। संकरन नरेन कार्यकारी निदेशक एवं सीआईओ, आईप्रू म्यूचुअल फंड का कहना है कि विशेष परिस्थितियों को एक थीम के रूप में मौजूदा दौर में भारतीय निवेशकों के बीच कम ही पसंद किया जाता है। इसका उद्देश्य संकट के समय को निवेशकों के लिए लंबी अवधि में अवसरों में बदलना है।

रनवे पर हो रहे हादसों को कम करने के लिए नियामक ने जारी किया सर्कुलर, जापान की घटना के बाद लिया निर्णय

नई दिल्ली ।
नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने हवाईअड्डों पर रनवे से जुड़े नियमों के उल्लंघन की घटनाओं को रोकने के लिए सभी हवाईअड्डों पर रनवे सुरक्षा टीम बनाने और ऐसे मामलों से बचाव के लिए प्रौद्योगिकी अपनाने को कहा है।पिछले महीने जापान के हनेडा हवाई अड्डे पर रनवे से जुड़े दिशा-निर्देशों के उल्लंघन के कारण विमानों के आपस में टकराने के मद्देनजर नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक परिपत्र जारी किया है।

सभी हवाई अड्डों पर रनवे सुरक्षा टीम गठित करने और उनके प्रभावी कामकाज को सुनिश्चित करने के अलावा, नियामक ने पायलटों, हवाई यातायात नियंत्रकों, विमान रखरखाव इंजीनियरों और हवाई अड्डे के अंदर काम करने वाले ड्राइवरों के लिए व्यापक प्रशिक्षण पर जोर दिया है।

हवाई यातायात नियंत्रकों (एटीसी) को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि स्टॉप बार को स्टॉप सिग्नल करने के लिए स्विच ऑन किया जाए और यातायात को आगे बढ़ने का संकेत देने के लिए बंद कर दिया जाए। डीजीसीए ने एक विज्ञप्ति में कहा कि किसी भी मामले में विमान या वाहनों को लाल स्टॉप बार को पार करने का निर्देश नहीं दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, नियामक ने कहा कि एयरोड्रम, एटीसी और एयरलाइंस को अनुपयोगी स्टॉप बार समाप्त करने से जुड़े उपायों को लागू करना चाहिए।

एक अन्य सिफारिश स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार के लिए तकनीकी हस्तक्षेपों को अपनाना है, जिससे हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) और अन्य हितधारकों को सहायता मिलती है। डीजीसीए के अनुसार, रनवे से जुड़े दिशा-निर्देशों के उल्लंघन की दर कम हो रही है और सभी हितधारकों के बीच एक सक्रिय दृष्टिकोण सुनिश्चित करके, ऐसी घटनाओं के जोखिम को और कम किया जा सकता है।

बीते 2 जनवरी को जापान में एक बड़ा यात्री विमान और एक जापानी तटरक्षक विमान हनेडा हवाई अड्डे पर रनवे पर टकरा गए और आग की लपटों में घिर गए। इस हादसे में तटरक्षक बल के विमान में सवार पांच लोगों की मौत हो गई थी। यह घटना जापानी तटरक्षक बल के डीएचसी-8 विमान द्वारा रनवे पर अतिक्रमण के कारण हुई, जबकि उसी समय जापान एयरलाइंस का विमान उतरने की प्रक्रिया में था। घटना के बाद, डीजीसीए ने रनवे सुरक्षा और रनवे के अतिक्रमण को रोकने के लिए अपनी मौजूदा आवश्यकताओं और सुरक्षा उपायों की समीक्षा की। पिछले साल अगस्त में दिल्ली हवाई अड्डे पर विस्तारा के दो विमान भी हादसे का शिकार होने से बच गए थे, क्योंकि हवाई यातायात नियंत्रक ने गलती से एक ही समय में एक ही रनवे पर दो अलग-अलग विमानों को पार करने और उड़ान भरने की अनुमति दे दी थी।

रुपया आठ पैसे बढ़कर 82.99 प्रति डॉलर पर

मुंबई । विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया आठ पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.99 पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.01 प्रति डॉलर पर खुला। इसके बाद 82.99 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से आठ पैसे की बढ़त है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.07 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 104.03 पर रहा।

मैराथन में इतिहास रचने वाले केल्विन की 24 साल की उम्र में मौत, सड़क हादसे में गंवाई जान

नई दिल्ली ।
मैराथन के विश्व रिकॉर्ड धारक और पेरिस ओलंपिक में स्वर्ण के प्रबल दावेदार केल्विन किपटुम की पश्चिमी केन्या में एक कार दुर्घटना में मौत हो गई। यह 24 वर्षीय खिलाड़ी कप्टागाट से एल्डोरेट जा रहा था, तभी कार लुढ़क गई। इसमें केल्विन के अलावा उनके रवांडा के कोच गेरवाइस हकीजिमाना की मौत हो गई। कार में तीन लोग सवार थे, दो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक को अस्पताल ले जाया गया। पश्चिमी केन्या के एल्गियो माराकवेट काउंटी के पुलिस कमांडर पीटर मुलिंगे ने इसकी पुष्टि की है।

पुलिस ने कहा- केल्विन एल्डोरेट की ओर जा रहे थे और वाहन ने नियंत्रण खो दिया और खाई में गिर गई, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। एक महिला यात्री घायल हो गईं और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। केल्विन ने मैराथन में तब तहलका मचाया था जब उन्होंने पिछले साल अक्तूबर में शिकागो में विश्व रिकॉर्ड 2:00:35 का समय लेकर स्वर्ण जीता था। उन्होंने साथी केन्याई एलियुड किपचोगे के पिछले रिकॉर्ड को 34 सेकंड से तोड़ा था। केल्विन उस समय सिर्फ 23 वर्ष के थे और केवल अपने तीसरे मैराथन में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे।

किपटुम ने अपने अन्य दो प्रयासों में भी जीत हासिल की थी। 2022 में वेलेंसिया और फिर अगले साल लंदन में भी विजयी अभियान जारी रखा। केन्या के इस एथलीट ने घोषणा की थी कि वह 14 अप्रैल को रोटरडम में दो घंटे से कम में रेस पूरा करने और ऐसा करने वाले पहले व्यक्ति बनने की कोशिश करेंगे। हालांकि, इससे पहले ही उनका निधन हो गया। वह पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए प्रबल दावेदार थे। विश्व एथलेटिक्स ने किपटुम को हाल के समय के सबसे प्रभावशाली एथलीट के रूप में श्रद्धांजलि दी है।

विश्व एथलेटिक्स के अध्यक्ष सेबेस्टियन को ने एक बयान में कहा, हम केल्विनऔर उनके कोच गेरवाइस हकीजिमाना के निधन के बारे में जानकर हैरान और गहरे दुख में हैं। विश्व एथलेटिक्स की ओर से हम उनके परिवारों, दोस्तों, टीम के साथियों और केन्याई राष्ट्र के प्रति अपनी गहरी संवेदना भेजते हैं।

न्यूज ब्रीफ

डब्ल्यूपीएल 2024 से पहले दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगी लैनिंग : अभिनव मुकुंद

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर अभिनव मुकुंद ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बेंगलुरु में 23 फरवरी से

शुरू होने वाली महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल 2024) से पहले मेग लैनिंग सही मानसिक स्थिति और नए उत्साह के साथ दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगी। पांच बार के विश्व कप विजेता कप्तान और ऑस्ट्रेलिया के लिए राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मेग लैनिंग पिछले साल डब्ल्यूपीएल के उद्घाटन सत्र में अग्रणी रन-स्कोरर थी, जिन्होंने 139.11 की स्ट्राइक रेट से 9 पारियों में 345 रन बनाए थे। उन्होंने डब्ल्यूपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते हुए टीम को फाइनल तक पहुंचाया। उसके बाद मेग ने 31 साल की उम्र में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की, जिससे सभी हैरान रह गए। हालांकि, मेग ने ब्रेक लेने के बावजूद डब्ल्यूबीबीएल में मेलबर्न स्टार्स के लिए खेलना जारी रखा। मेग हाल ही में एक दिवसीय प्रतियोगिता में विक्टोरिया के लिए उतरीं। पिछले साल की डब्ल्यूपीएल नीलामी में दिल्ली ने ऑस्ट्रेलिया की युवा तेज गेंदबाज़ी ऑलराउंडर एन्नाबेल सदरलैंड के साथ-साथ घरेलू खिलाड़ियों अश्विनी कुमारी और अपर्णा मंडल की सेवाएं लेने पर 2 करोड़ रुपये खर्च किए थे। अभिनव मुकुंद ने कहा, दिल्ली कैपिटल्स एक मजबूत टीम है। उसे शैफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के रूप में दो सबसे होनहार युवा भारतीय खिलाड़ी मिली हैं और मेग लैनिंग के रूप में यकीनन सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेटर भी हैं। फिर, उनके पास मैरिज़ेन कप्प और ऐलिस कैप्सी हैं। उनके सभी गेंदबाज फॉर्म में हैं। यह टूर्नामेंट में एक मजबूत टीम है। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज सबा करीम का मानना है कि दिल्ली इस साल एक कदम आगे बढ़ने के लिए मजबूत दिख रही है।

अंडर-19 विश्व कप 2024 में मफाका को मिला प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवार्ड

बेनोनी । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज क्रेना मफाका को अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में प्लेयर ऑफ द

टूर्नामेंट का खिताब मिला है। मफाका इन इस टूर्नामेंट में शानदार गेंदबाजी करते हुए सबसे ज्यादा 21 विकेट लिए थे। उन्होंने 9.71 के औसत से से विकेट लिए। मफ़ाका ने अवार्ड मिलने के कहा कि वह इसे हासिल कर बेहद खुश हैं। साथ ही कहा कि टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन पर मुझे खुशी हुई है पर टीम को फाइनल तक नहीं ले जा पाने का दुख भी है। मफाका ने अंडर-19 विश्व कप में एक अनूठा रिकॉर्ड भी अपने नाम किया है। वह विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक तीन बार 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने है। उन्होंने वेस्टइंडीज , जिम्बाब्वे और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच विकेट लिए। उनसे पहले केवल 4 खिलाड़ी ही विश्वकप में दो बार पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। मफाका ने इसी के साथ ही श्रीलंका के डुनिथ वेलालेज , अफगानिस्तान के शफीकुल्ला गफारी , पाकिस्तान के अनवर अली और रियाज अफरीदी को पीछे छोड़ दिया। इन सभी ने विश्वकप के पिछले सत्रों में दो बार पां-पांच विकेट लिए थे। मफाका साल 2022 में इस टूर्नामेंट में पहली बार खेलते हुए सात विकेट लेने में सफल रहे थे। वहीं रनों के मामले में भारत के कप्तान उदय सहारन 397 रनों के साथ टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे जबकि सबसे अधिक स्कोर का रिकार्ड न्यूजीलैंड के स्रेहित रेड्डी के नाम रहा। स्रेहित ने नेपाल के खिलाफ 147 रन बनाये।

वॉर्नर टी20 मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले सातवे खिलाड़ी बने, रिजवान आठवे नंबर पर खिसके

एडिलेड । ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 22 रन

बनाते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इसी के साथ ही वार्नर के टी20 मैचों में 2,986 रन हो गये हैं और वह सातवे सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गये। वहीं पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान ने 90 मैचों में 2,981 रन बनाये थे और अब वह आठवे नंबर पर फिसल गये हैं। वॉर्नर ने 19 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 33.17 और स्ट्राइक रेट 141 से अधिक रहा। वार्नर ने एक शतक और 25 अर्द्धशतक भी लगाये। उनका सबसे अधिक स्कोर 100 रन रहा। वहीं रिजवान ने 90 मैचों और 78 पारियों में 48.86 की औसत और 127 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2,981 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 104 रन रहा। इसके अलावा उन्होंने एक शतक और 26 अर्द्धशतक भी लगाये हैं। सबसे अधिक रनों की बात करें तो भारत के विराट कोहली पहले नंबर पर हैं।

पुरुष एकल के शीर्ष-100 खिलाड़ियों में सुमित नागल की एंट्री, ऐसा करने वाले 10वें भारतीय

नई दिल्ली ।
पुरुष एकल में भारत के शीर्ष टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने एटीपी रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है और करियर बेस्ट रैंकिंग हासिल की है। जारी हुई ताजा एटीपी रैंकिंग में नागल 23 स्थान की छलांग के साथ अपने करियर में पहली बार शीर्ष 100 में पहुंच गए। चेन्नई ओपन चैलेंजर टूर्नामेंट में जीत के साथ ही नागल एटीपी रैंकिंग में पुरुष एकल में 98वें पायदान पर पहुंच गए। शीर्ष पर सर्बिया के नोवाक जोकोविच काबिज हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में रचा था इतिहास

पिछले महीने ऑस्ट्रेलियन ओपन में सुमित नागल ने इतिहास रचा था। वह 1989 के बाद से ऑस्ट्रेलियन ओपन में किसी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए थे। नागल ने पहले दौर में दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी कजाखस्तान के एलेक्जेंडर बुबलिक को 6-4, 6-2, 7-6 (7-5) से हराया था। हालांकि, दूसरे दौर में उन्हें चीन के जनचेंग शैंग के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

शीर्ष-100 में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय

सुमित नागल पुरुष एकल में 2019 में बाएं हाथ के प्रजनेश गुणेश्वरन के शीर्ष 100 में पहुंचने के बाद बाद शीर्ष 100 में जगह बनाने वाले पहले भारतीय हैं। वहीं, 1973 में कंप्यूटरीकृत एटीपी रैंकिंग आने के बाद से वह शीर्ष 100 में पहुंचने वाले ओवरऑल 10वें भारतीय और नौवें पुरुष (एकल में) खिलाड़ी हैं। महिलाओं ने सिर्फ सानिया मिर्जा ही एटीपी रैंकिंग में शीर्ष-100 में पहुंच पाई थीं। वह 2007 में महिला एकल में करियर बेस्ट 27वें रैंक पर पहुंची थीं।

चेन्नई ओपन जीतने के बाद भावुक हुए थे नागल

नागल ने चेन्नई में मिली जीत के बाद कहा, मैं बहुत भावुक हूं। हर टेनिस खिलाड़ी का सपना कम से कम शीर्ष 100 में पहुंचना होता है। जैसा कि मैंने पहले कहा कि अपने देश के घरेलू दर्शकों के सामने यह मैच जीतना शानदार है। इसके लिए इससे बेहतर जगह नहीं हो सकती थी।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इसे बयां करने के लिए शब्द थे। हर कोई रो रहा था। शब्द कम थे, आंसू ज्यादा। मैं अब भी बहुत भावुक हूं। पिछले साल मेरी रैंकिंग 500 थी, जिसके बाद मेरी सर्जरी हुई और वित्तीय सहयोग भी नहीं था तो पिछला साल काफी मुश्किल रहा। काफी उतार चढ़ाव हुए। मैं खुश हूं कि हर दिन आगे बढ़ने के लिए मुझे एक तरीका मिल गया।

टीम इंडिया में वापसी के प्रयासों में लगे हैं हनुमा

नई दिल्ली । मध्यक्रम के बल्लेबाज हनुमा विहारी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर हैं। हनुमा का लक्ष्य अब टीम इंडिया में वापसी है और इसके लिए वह घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन पर ध्यान दे रहे हैं। हनूमा का लक्ष्य रणजी ट्राफी सत्र में अधिक से अधिक रन बनाकर राष्ट्रीय टीम में अपना दावा पेश करना है। इसमें वह सफल भी होते दिख रहे हैं। इस सत्र में उन्होंने आंध्र की ओर से खेलते हुए सात पारियों में 365 रन बनाये हैं। इससे घरेलू क्रिकेट में उनका औसत 50 से ऊपर पहुंच गया है। हनुना ने कहा, मुझे दुख और निराशा है कि मैं टेस्ट टीम में नहीं हूं, लेकिन हर किसी को उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ता है, और मेरा काम अब रणजी ट्रॉफी में रन बनाना है। सत्र बिल्कुल अच्छा गया है, टीम और मैं दोनों के लिए। इसलिए मेरा लक्ष्य बहुत सारे रन बनाने और टेस्ट टीम में वापसी करना है। हनुमा बेहतर प्रदर्शन के बाद भी टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। हनुमा ने साल 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिडनी में 161 गेंदों में 23 रन बनाकर भारतीय टीम को हार से बचाया था। इस पारी के बाद भी वह टीम में अपनी जगह बनाये नहीं रख पाये। उन्होंने संकेत दिया कि वह चयनकर्ताओं की नजर में नहीं हैं। साथ ही कहा, हाल ही में किसी ने मुझसे बात नहीं की पर कोच राहुल द्रविड़ ने मेरे अंतिम टेस्ट के बाद मुझसे बात की और उन्होंने मुझे बताया कि मैं क्या सुधार कर सकता हूं, लेकिन मैं तब से किसी के संपर्क में नहीं हूं। विहारी ने अपना आखिरी टेस्ट 2022 में एजबेस्टन में खेला था और 22 और 11 रन बनाए थे। अब उनका ध्यान अपने खेल में सुधार करने और उसका आनंद लेने पर है। उन्होंने कहा, लेकिन मैं केवल अपने खेल में सुधार करने और इसका आनंद लेने के बारे में सोचता हूं। अगर मैं ऐसा नहीं करता हूं, तो कोई उद्देश्य नहीं बचता है। जब मैं मैदान में जाता हूं, तो मैं सिर्फ टीम के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता हूं और रन बनाना चाहता हूं। वापसी मेरे हाथ में नहीं है पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मैं अपनी दावेदारी पेश कर सकता हूं।

विश्व चैंपियन दिवे को महाराष्ट्र ओपन कैरम चैलेंजर के लिए शीर्ष वरीयता

मुंबई।
भारत के विश्व चैंपियन संदीप दिवे को महाराष्ट्र कैरम एसोसिएशन (एमसीए) द्वारा आयोजित 7 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाले महाराष्ट्र ओपन कैरम चैलेंजर में शीर्ष स्थान दिया गया है, जो यहां शुरू होने वाला है। पूर्व विश्व चैंपियन प्रशांत मोरे (भारत) को दूसरी वरीयता दी गई है। योगेश परदेशी (भारत) को तीसरी वरीयता दी गई है। उसके बाद आर.एम. शंकर (भारत) चौथी वरीयता और मोहम्मद गुफरान को पांचवीं वरीयता दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी मोहम्मद मुंतसिर और इब्राहिम अली, मालदीव के दोनों चुनौतीकर्ता छठी और सातवीं वरीयता प्राप्त हैं, जबकि श्रीलंका के शाहिद हिल्मी आठवीं वरीयता प्राप्त हैं।

देश भर के 18 राज्यों और विदेशों से कुल 503 शीर्ष गुणवत्ता वाले कैरम खिलाड़ियों ने इस आयोजन के उद्घाटन संस्करण में अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, जिसमें पुरुष एकल प्रतियोगिता शामिल है।

इस चैलेंजर प्रतियोगिता के विजेता को 1.50 लाख रुपये का शानदार चैंपियन पुरस्कार और एक ट्रॉफी प्रदान की जाएगी।उपविजेता को एक लाख रुपये का पुरस्कार और एक ट्रॉफी मिलेगी। तीसरे स्थान के विजेता को 75,000 रुपये और चौथे स्थान के विजेता को 50,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। क्वार्टर फाइनल में हारने वाले चार प्रतिभागियों में से प्रत्येक को 25,000 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

इसके अलावा, 32 राउंड तक पहुंचने वाले खिलाड़ियों को नकद पुरस्कार दिया जाएगा। खिलाड़ियों को पहले राउंड में प्रत्येक व्हाइट स्लैम या ब्लैक स्लैम के लिए 1,000 रुपये और सेमीफाइनल से प्रत्येक व्हाइट स्लैम और ब्लैक स्लैम के लिए 2000 रुपये का पुरस्कार मिलेगा।

रोहित एंड कंपनी को कड़ी टक्कर देगी इंग्लैंड : इयान चैपल

नई दिल्ली ।
ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीतने के लिए भारत का समर्थन किया है, लेकिन उनका मानना है कि बेन स्टोक्स की अगुवाई वाली मेहमान टीम बाकी तीन टेस्ट मैचों में रोहित शर्मा एंड कंपनी को कड़ी टक्कर देगी।

इंग्लैंड ने हैदराबाद में पहला टेस्ट 28 रन से जीता, जबकि भारत ने विशाखापत्तनम में 106 रन की जीत के साथ वापसी की। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 से बराबरी पर है, और तीसरा टेस्ट 15 फरवरी से राजकोट में शुरू होगा।

इसके बाद भारत और इंग्लैंड दोनों 23 फरवरी से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए रांची जाएंगे, जिसके बाद 7 मार्च को धर्मशाला में श्रृंखला का अंतिम मैच होगा।

चैपल ने कहा, घरेलू टीम के रूप में भारत को ये श्रृंखला जीतनी चाहिए, लेकिन इसके लिए उन्हें एक मजबूत टीम का डट कर सामना करना पड़ेगा।

चैपल ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के लिए अपने कॉलम में लिखा, स्टोक्स के आक्रामक नेतृत्व में इंग्लैंड खराब कप्तानी वाली जो रूट टीम से बहुत पीछे है, जिसने देश के अपने पिछले दौरे पर स्पिन के खिलाफ घुटने टेक दिए थे।

भारत बनाम इंग्लैंड का यह मुकाबला वैसा ही आकार ले रहा है जैसा होना चाहिए। यह दो प्रतिभाशाली

टीमों के बीच पांच मैचों का एक रोमांचक मुकाबला है।

उन्होंने कहा कि रवींद्र जडेजा और केएल राहुल की वापसी से भारत को बल मिलेगा, चैपल को यह भी लगता है कि विराट कोहली का व्यक्तिगत कारणों से पूरी श्रृंखला से हटना टीम के लिए एक बड़ा झटका है।

कप्तानी के लिए बेन स्टोक्स का आक्रामक रवैया भले ही दूसरे टेस्ट में टीम को जीत नहीं दिला सका, लेकिन पांच मैचों की श्रृंखला भारत के खिलाफ अभी भी 1-1 से बराबरी पर है।

राजकोट में श्रृंखला का तीसरा मैच शुरू होने पर स्टोक्स अपना 100वां टेस्ट मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं और चैपल को लगता है कि यह ऑलराउंडर इंग्लैंड के लिए बहुत ही दमदार और स्मार्ट कप्तान साबित हुआ है।

ओडिशा के इस जिले में बनेगा करोड़ों की लागत से फुटबॉल स्टेडियम, मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने दिया निर्देश

संबलपुर।
मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के निर्देश पर दिन अपने तूफानी दौरे पर संबलपुर पहुंचे 5- टी और नवीन ओडिशा के अध्यक्ष कार्तिक पांडियन ने संबलपुर में प्रथम महानदी हाफ मैराथन को हरी झंडी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। इस मैराथन प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत 4000 से अधिक धावकों ने भाग लिया।

इस अवसर पर पांडियन ने कहा कि संबलपुर में अच्छी खेल संस्कृति है और यहां की प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री पटनायक ने सर्वोत्तम सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया है। उन्होंने बताया कि हाल ही में बुर्ला में 32 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इनडोर स्टेडियम का उद्घाटन किया गया है। कुल 100 करोड़ रुपये की लागत से संबलपुर फुटबॉल अकादमी और संबलपुर विश्वविद्यालय में हॉकी स्टेडियम और इनडोर खेल सुविधाओं सहित खेल परिसर की आधारशिला भी रखी गई है।

संबलपुर में नया फुटबॉल स्टेडियम बनेगा

उन्होंने आगे बताया कि मुख्यमंत्री पटनायक ने संबलपुर में एक नए फुटबॉल स्टेडियम के निर्माण और वीर सुरेंद्र साय (वीएसएस) स्टेडियम को आधुनिक स्टेडियम में अपग्रेड करने का निर्देश दिया है। इन दोनो स्टेडियमों का निर्माण और पुनर्विकास 350 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से किया जाएगा। इससे जिले में खेल विकास को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। अपने इस तूफानी दौरे के दौरान पांडियन ने वीएसएस स्टेडियम का दौरा किया और जिला क्रीड़ा संघ के पदाधिकारियों और खिलाड़ियों से मुलाकात कर बातचीत की। पांडियन, जो स्वयं एक खिलाड़ी हैं और स्कूल- कॉलेज के जमाने में खेलते रहे हैं, ने अपने इस दौरे के दौरान संबलपुर स्थित वीर सुरेंद्र साय स्टेडियम में उपस्थित खिलाड़ियों के साथ क्रिकेट खेलकर खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाया।

सोवटर-पथिराना की घातक गेंदबाजी के सामने वॉरियर्स का सरेंडर, जीत के साथ समाप्त हुआ डेजर्ट वाइपर्स का सफर

नई दिल्ली ।
नाथन सोवटर और मथीशा पथिराना की शानदार गेंदबाजी के बाद बल्लेबाजों के उम्दा प्रदर्शन से डेजर्ट वाइपर्स ने आईएलटी-20 के वर्षा से बाधित अंतिम रुप मैच में शारजाह वॉरियर्स को छह विकेट से हराया। इसके साथ ही वाइपर्स का सफर तालिका में पांचवें स्थान पर रहकर समाप्त हुआ। वर्षा के कारण टास में विलंब हुआ और मैच को 18-18 ओवर कराने का निर्णय लिया गया। जी फाइव और एंड पिक्चर्स पर प्रसारित मैच में वाइपर्स ने टास जीतकर गेंदबाजी का निर्णय लिया और नाथन तथा मथीशा ने तीन-तीन विकेट झटके, जिससे शारजाह वॉरियर्स 18 ओवर में नौ विकेट पर 121 रन ही बना सका। जवाब में वाइपर्स ने 12.5 ओवर में चार विकेट पर 123 रन बनाकर जीत दर्ज की।

वाइपर्स को नहीं हुई कोई तकलीफ

122 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी डेजर्ट वाइपर्स को फिल सॉल्ट (30) और एलेक्स हेल्स (21) की जोड़ी ने 50 रन की साझेदारी करके शानदार शुरुआत दिलाई। विलियम्स से सॉल्ट को बोल्ड करके इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद जुनैद सिद्दकी ने डेजर्ट को तीन गेंदों के अंदर दो तगड़े झटके दिए। उन्होंने डान लॉरेंस (7) और हेल्स को जल्दी-जल्दी आउट किया। कप्तान कॉलिन मनरो (27) ने दिनेश चंडीमल (24*) के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी करके वाइपर्स को जीत के करीब पहुंचा दिया। मनरो रन आउट हुए। फिर चंडीमल ने सैम करन (7*) के साथ वाइपर्स को आसान जीत दिलाई। वॉरियर्स की तरफ से जुनैद सिद्दकी ने दो विकेट लिए। शॉन विलियम्स के खाते में एक विकेट आया।

वॉरियर्स सस्ते में सिमटी

इससे पहले शारजाह वॉरियर्स के बल्लेबाजों के पास नाथन सोवटर और मथीशा पथिराना की गेंदों का कोई जवाब नहीं दिखा। ल्यूक वेल्स (31) टीम के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे, जिन्हें सोवटर ने अपनी ही गेंद पर कैच लेकर चलता किया। वॉरियर्स की शुरुआत सैम करन ने बिगाड़ी, जिन्होंने ओपनर टॉम कोलर कैडमोर (4) को क्लीन बोल्ड किया। यहां से वॉरियर्स की पारी तू चल मैं आया के हिसाब वाली रही और टीम ने नियमित अंतराल में विकेट गंवाए। 18 ओवर के खेल में वॉरियर्स की टीम 9 विकेट पर 121 रन बना सकी। वाइपर्स की तरफ से नाथन सोवटर और मथीशा पथिराना को तीन-तीन विकेट मिले। सैम करन ने दो विकेट झटके। डान लॉरेंस के खाते में एक विकेट आया।

पुरुष फुटबॉल पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अर्जेंटीना ने किया क्वालीफाई

कराकस (वेनेजुएला)। ब्राजील अपने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में अर्जेंटीना से 1-0 से हारने के बाद 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए

क्वालीफाई करने से चूक गया। ब्राज़ील, जो लगातार तीसरी बार ओलंपिक पुरुष फुटबॉल खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करने वाला था, वो 2004 के बाद पहली बार ओलंपिक पुरुष टूर्नामेंट से चूक जाएगा। दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर मैच के 78वें मिनट में लुसियानो के गोल की मदद से अर्जेंटीना ने 1-0 से जीत हासिल की। चार टीमों के ग्रुप में पराग्वे से अपना पहला मैच हारने, फिर वेनेजुएला को 2-1 से हराने के बाद ब्राजील को क्वालीफाइंग के आखिरी चरण में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के अर्जेंटीना के खिलाफ जीत या ड्रॉ की जरूरत थी। हालांकि, टीम इसमें सफल नहीं रही। वेनेजुएला और पराग्वे की बराबरी करने वाले अर्जेंटीना ने अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा पांच अंकों के साथ समाप्त की, जबकि ब्राजील का सफर तीन अंकों के साथ समाप्त हुआ। 2016 के रियो ओलंपिक मे माराकाना स्टेडियम में जर्मनी के खिलाफ शूटआउट के दौरान नेमार द्वारा निर्णायक पेनल्टी किक से ब्राजील ने अपना पहला ओलंपिक फुटबॉल स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी तरह, 2020 टोक्यो ओलंपिक में ब्राजील ने 108वें मिनट में मैल्कॉम के गोल की बदौलत स्पेन के खिलाफ फाइनल में जीत हासिल कर अपना दबदबा बनाए रखा।

क्यों जाना है विदेश जब भारत में ही उठा सकते हैं

स्कॉटलैंड के मजे..

लोगों के दिमाग में अक्सर ये बात रहती है कि हनीमून या फिर किसी शानदार छुट्टी मनाने के लिए कोई विदेशी डेस्टीनेशन ही बेस्ट रहेगी, लेकिन किसी भी फॉरेन ट्रिप को प्लान करने से पहले हमें एक बार अपने देश की खूबसूरती पर भी नजर जरूर मार लेनी चाहिए. ये बात सभी जानते हैं कि स्कॉटलैंड एक शानदार टूरिस्ट डेस्टीनेशन है, लेकिन ये बात कम ही लोग जानते हैं कि भारत में भी एक ऐसी जगह है जिसे भारत के स्कॉटलैंड के नाम से जाना जाता है. आईए भारत के स्कॉटलैंड यानी कुर्ग को को जानते हैं थोड़ा करीब से...

कर्नाटक में स्थित कुर्ग नेचुरल ब्यूटी से भरा हुआ है. यहां सुंदर नजारों की कोई कमी नहीं है. कुर्ग मैसूर से करीब 120 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है और इसे कोडागू भी कहा जाता है. कुर्ग में घूमने-फिरने, पिकनिक मनाने या फिर एडवेंचर की कोई कमी नहीं है. यहां एक नहीं बल्कि कई मुख्य पर्यटक स्थल मौजूद हैं.

निसारगधमा

नदी किनारे के हरे-भरे नजारे देखना अगर आपको पसंद है, तो कुर्ग में स्थित निसारगधमा आपको खूब पसंद आएगा. ये स्थल नदी के बीच स्थित है. टूरिस्ट यहां अपने करीबियों के साथ पिकनिक का भी लुत्फ उठा सकते हैं.

नागरहोल अभयारण्य

वहीं वाइल्ड लाइफ लवर्स के लिए भी कुर्ग में बहुत कुछ है. यहां नागरहोल अभयारण्य में घूमना आपको काफी एडवेंचरस फील देगा. नागरहोल में हाथियों की अच्छी आबादी मौजूद है. टाइगर देखने के लिए भी ये जगह देश के कुछ सबसे अच्छे अभयारण्यों में से एक है. इसके अलावा यहां तेंदुए, हिरण और गौर को भी करीब से देखने का अच्छा चांस मिलता है.

कॉफी के बागान

जब भी आप कुर्ग घूमने आएं तो यहां मौजूद कॉफी के बागानों की सैर करना न भूलें. ये बागान आपको नेचर के काफी करीब ले जाएंगे. साथ ही आपको यहां की फ्रेश ऐयर एकदम तरोताजा कर देगी.

सर्दियों में अखरोट खाने के ये फायदे नहीं जानते होंगे आप!

वैसे तो सर्दियों में ड्राई फ्रूट खाना फायदेमंद होता है लेकिन आज हम उस ड्राईफ्रुट के बारे में बात करेंगे जो नर्वस के लिए, मेमोरी के लिए और साथ ही साथ डायबिटीज और हार्ट के लिए बहुत ही अच्छा है. ये डाईफ्रूट कोई और नहीं बल्कि अखरोट है. चलिए जानते हैं डॉ. शिखा शर्मा से अखरोट के फायदों के बारे में.

अखरोट की तासीर थोड़ी गर्म होती है इसलिए ये विंटर्स में खाया जाता है. अगर आप गर्मियों में ज्यादा अखरोट खाएंगे तो मुंह में छाले भी पड़ सकते हैं.सर्दियों में अखरोट खाने का बहुत फायदा है.

अखरोट में मौजूद विटामिंस और मिनरल्स हमारी नर्वस सिस्टम और मेमोरी के साथ ही नर्वस रिजनरेशन के लिए अच्छा होता है.इसी तरह से हार्ट के लिए भी अखरोट बहुत अच्छा है. अगर कॉलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ है तो तीन महीने तक रोजाना अखरोट खाएं.डायबिटिक पेशेंट अगर मीठा खाते हैं तो उनका इंसुलिन बढ़ जाता है. लेकिन ऐसे लोग अखरोट खाते हैं तो अखरोट की सेंसिविटी बेहतर होती है और इंसुलिन अचानक से घटता या बढ़ता नहीं है. साथ ही ब्लड शुगर भी कंट्रोल होता है.2 साल से छोटे बच्चों को अखरोट ना खिलाएं. बुजुर्गों को अखरोट खिला रहे हैं तो दूध के साथ दें वो भी बहुत कम मात्रा में.अखरोट और सेब की चाट बनाकर खाएं. इसके ऊपर हल्की सी दालचीनी का पाउडर मिलाएं. इससे एक तरह का फ्रुट सैलेड बन जाता है. इस चाट को आप रोजाना खा सकते हैं.

भूख बढ़ाने से लेकर निमोनिया तक ठीक कर सकती है ये छोटी सी तुलसी!

निमोनिया ऐसी बीमारी है जो किसी को भी किसी भी ऐज में हो सकती है. लेकिन ऐसा नहीं है कि इसका इलाज नहीं है. घरेलू नुस्खों से भी निमोनिया का इलाज किया जा सकता है. आज आचार्य बालकृष्ण जी बता रहे हैं कैसे तुलसी के उपयोग से कर सकते हैं निमोनिया का उपचार.

सांस की बीमारी में तुलसी का उपयोग-

अगर आपको बहुत ज्यादा सांस की दिक्कत है. अस्थमा की दिक्कत है तो इसमें तुलसी बहुत लाभकारी है. गुलबनफ्सा, मुलैठी और तुलसी को मिलाकर काढ़ा बनाइए और सुबह-शाम इसका सेवन कीजिए. इससे सांस की समस्याए कम होगी.

निमोनिया में तुलसी का उपयोग : निमोनिया से पीड़ित लोगों के लिए तुलसी का

उपसोग रामबाण है.

अगर पसलियां चल रही हैं तो भी 15 से 20 ग्राम तुलसी के रस को निकालिए. इस रस को गाय के घी या बादाम रोगन में धीमी आंच पर पकाएं. इसे पकाकर के इससे बच्चों की मालिश कीजिए. इससे बच्चों की मसल्स स्ट्रांग होंगी. इम्यून सिस्टम स्ट्रांग होगा और निमोनिया की समस्या भी दूर होगी. इससे बच्चों में सर्दी-गर्मी सहने की क्षमता भी बढ़ जाएगी.

भूख बढ़ाने में तुलसी का उपयोग: आपको या बच्चें को भूख कम लगती है तो भी तुलसी का उपयोग लाभाकारी है. भूख कम लगने पर काली मिर्च, अदरक, हरी मिर्च और तुलसी के पत्तों में नमक डालकर चटनी बना लें. आप चाहे तो हरी मिर्च भी इसमें डाल सकते हैं. खाने के साथ इस चटनी को खाएं और बच्चे को भी खिलाएं. इससे ना सिर्फ भूख बढ़ेगी बल्कि पेट की अन्य समस्या भी दूर होगी. तुलसी की पत्तियां बहुत ज्यादा ना ले.

सन ग्लासेज को लेकर कहीं आप धोखा ना खा जाएं!

क्या आप अक्सर इसलिए सन ग्लासेज खरीदते हैं क्योंकि इससे आपकी आंखें सेफ रहती हैं? तो आप गलत सोचते हैं. ऐसे कई और मिथ्स सन ग्लासेज को लेकर है. माई जिम इंडिया के प्रबंध निदेशक आई रहमतुल्लाह ने सन ग्लासेज से जुड़े इन मिथ्स के बारे में बताया है

सन ग्लासेज के साथ जुड़ा आम मिथ यह है कि इन्हें सिर्फ फैशनेबल नजर आने के लिए पहना जाता है. ये महज फैशन का सामान नहीं होते हैं. सन ग्लास आपको स्मार्ट लुक देने के साथ ही सूरज की हानिकारक किरणों से भी आपकी आंखों को सुरक्षित रखते हैं.

जो लोग सही से दिखाई देने के लिए चश्मा पहनते हैं, वे सोचते हैं कि सन ग्लास उनके चश्मे के नंबर में उपलब्ध नहीं होता है और यह सिर्फ धूप का चश्मा है, इसलिए ठीक से दिखाई नहीं देगा, यह गलत धारणा है. आजकल बाजार में नंबर के अनुसार, ऐसे धूप के चश्मे उपलब्ध है, जिससे आपको सही से दिखाई देगा और आपकी आखों की धूप से भी रक्षा होगी.

धूप के चश्मों के लेकर यह भी मिथक है कि सारे धूप के चश्मे पराबैंगनी किरणों से रक्षा करते हैं. हालांकि, चश्मे का ग्लास और पॉलीकार्बोनेट पराबैंगनी किरणों की कुछ मात्रा को अवशोषित कर लेते हैं, लेकिन पूरी तरह से सुरक्षा पाने के लिए लेंस पर कोटिंग करवाना जरूरी हैं.

धूप का चश्मा ऐसा खरीदें जो सामने और पीछे दोनों ओर से पराबैंगनी किरणों को 90-100 प्रतिशत तक ब्लॉक कर दे.कई लोग यह सोचकर धूप का चश्मा पहनते हैं कि इसे नहीं पहनने की बजाय इसे पहनने से कम से कम आंखों को कुछ तो सुरक्षा मिलेगी, इसलिए लोग किसी भी क्वालिटी का चश्मा खरीद लेते हैं, लेकिन सस्ता धूप का चश्मा पहनना अपकी आंखों को और नुकसान पहुंचा सकता है.

अगर उनसे आपकी आंखों पर सिर्फ छाया होती है और हानिकारक किरणों यूवीए व यूवीबी से सुरक्षा नहीं मिलती हैं तो फिर ऐसे चश्मों के जरिए हानिकारक किरणें सीधे आपकी आंखों पर पड़ती हैं, जो बेहद हानिकारक हैं, इसलिए हमेशा बढ़िया क्वालिटी का ही धूप का चश्मा इस्तेमाल करें.

नहाने के फौरन बाद ही लगाएं परफ्यूम

हमेशा ध्यान रखिए कि आप से पहले आपकी खुशबू पहुंचती है। कितना भी बेहतरीन आपका लुक हो, शानदार कपड़े आपने पहन रखे हों, लेकिन अगर आपके पास से गंध आ रही है तो सब बेकार है। इन टिप्स को अपनाइए और हमेशा महकते रहिए

■ परफ्यूम लगाने के बाद कभी भी अपनी कलाइयों को रगड़े नहीं। इससे सेंट जल्दी उड़ जाएगा।

■ जब बेहद हल्की खुशबू का साथ चाहिए हो तो हवा में स्प्रे करें और उसके नीचे से चलते हुए निकल जाएं।

■ परफ्यूम को कभी भी नमी वाली जगह पर यूज नहीं करना चाहिए। ह्यूमिडिटी और गर्मी की वजह से खुशबू बिगड़ जाती है और जल्दी गायब हो जाती है।

■ परफ्यूम की बॉटल में बची कुछ बूंदों का भी उपयोग कीजिए। बिना खुशबू वाले लोशन में इन्हें मिला लें। जबरदस्त फर्क महसूस करेंगे।

■ कलाई पर परफ्यूम लगाने से पहले थोड़ा वेसलिन लगा लें। ज्यादा देर तक महकते रहने के लिए यह आइडिया काफी काम का है।

■ नहाने के फौरन बाद ही परफ्यूम लगा लें। आपकी स्किन के अंदर का मॉइस्चर इसे अंदर लॉक कर लेगा। इसके अलावा कपड़ों पर परफ्यूम के दाग भी नहीं पड़ेंगे।

■ बालों में कंघा करने से कंघे पी भी परफ्यूम स्प्रे करें। खुशबू आपके बालों में भी समा जाएगी।

■ अलमारी में भी थोड़ा परफ्यूम स्प्रे कर दें। आपके कपड़ों में हमेशा महक बनी रहेगी।

पूजा घर में मृतकों की तस्वीर रखना अशुभ है क्योंकि

हिंदू धर्म में जीवन के विभिन्न मोड़ पर अलग-अलग रीति रिवाजों का पालन किया जाता है। पर्व के अलावा सामान्य जीवन में भी ये परंपराएं व रीतियां मानी जाती हैं।

आदर्श हिंदू जीवन शैली में प्रतिदिन पूजा पाठ करना अनिवार्य है, यही कारण है कि प्रत्येक हिंदू के घर में पूजा घर होता है।

एक बात आपने देखी होगी कि पूजा घर में आमतौर पर लोग किन्हीं मृतकों की तस्वीरें भी लगा दिया करते हैं। ये मृतक परिजनों के अलावा अन्य भी हो सकते हैं।

लेकिन वास्तु के अनुसार यह ठीक नहीं है। वास्तु को मानने वाले यह बात जानते हैं कि पूजा घर में पुरखों की तस्वीरें लगाना निषेध है।

यदि पूजा घर में मृत व्यक्ति की तस्वीर रखी जा रही है तो इसका अर्थ ये हुआ कि आप अनजाने में ही परेशानियों को आहूत कर रहे हैं। तमिल विचारधारा के अनुसार मृतक देवदूत बनकर स्वर्ग में गति पाते हैं।

इस लिहाज से वे मृतकों को भगवान का दर्जा दे देते हैं। हिंदू मान्यताओं के अनुसार मृत्यु के बाद आत्मा शरीर को त्यागकर दूसरे शरीर का वरण कर लेती है।

हिंदू धर्म में शरीर नश्वर है इसलिए उसका दाह संस्कार किया जाता है जबकि आत्मा पूजनीय है। इधर, वास्तु-शास्त्र कहता है कि देवों की तस्वीरों को उत्तर अथवा उत्तर पूर्व की दिशा में रखना चाहिए। पूजा घर की दिशा सदा उत्तर पूर्व होना चाहिए। मृत पूर्वजों की तस्वीरों को दक्षिण पश्चिम या दक्षिण, पश्चिम में लगाना चाहिए। यदि उक्त क्रम का पालन नहीं किया गया तो परिवार में क्लेश, मानसिक कष्ट, संकट और दुविधा की आशंका बनी रहती है।

फास्ट फूड छोड़कर अंकुरित अनाज खाएं

पैंतीस वर्षीया अनामिका एक प्राइवेट दफ्तर में प्रबंधक के पद पर कार्य करती हैं। वह दिल्ली में अकेली रहती हैं। उन्हें अक्सर रात देर तक दफ्तर में काम करना पड़ता है। रात को घर आने पर वह इतनी थकी हुई होती हैं कि खाना बनाकर खाने को भी मन नहीं करता इसलिए वह आते समय फास्ट फूड का पैकेट भी साथ लाती हैं, यही दिन भर काम करने के लिए उसका सहारा होता है। ऐसा केवल अनामिका ही नहीं और बहुत से लोग करते होंगे जिनके पास समय की कमी है।

आज के व्यस्त जीवन में समय की कमी के कारण फास्ट फूड हमारे जीवन में गहरी पैठ बना चुका है। कुछ लोग आधुनिकता के मोह के कारण भी इस ओर खिंचते हैं। बड़े शहरों में इनका प्रयोग ज्यादा होता है। आज की फास्टफूड संस्कृति में किसी को भी लिविंग फूड का ख्याल ही नहीं आता। परन्तु क्या आप जानते हैं कि इस प्रकार के भोजन में क्षारीय प्रोटीन तथा विटामिन युक्त तत्वों का अभाव होता है इन खाद्य पदार्थों में अम्लीय तथा देर से पचने वाले तत्वों की मात्रा ज्यादा होती है। देर से पचने वाले ये तत्व आंतों में चिपक जाते हैं और वहीं सड़ते रहते हैं, जिस कारण ज्यादातर रोग जन्म लेते हैं। इसका अर्थ है इस प्रकार के खाद्य पदार्थ भूख तो मिटाते हैं परन्तु इससे हमें कोई लाभ नहीं होता।

प्राकृतिक चिकित्सा के अनुसार, दोषपूर्ण खान-पान रहन-सहन तथा सोच-विचार की आदत के कारण ही ज्यादातर रोग जन्म लेते हैं। दोषपूर्ण खानपान के कारण पेट से संबंधित कई बीमारियां आज आम हो गई हैं। इसके कारण मोटापा, कब्ज, मधुमेह, बवासीर जैसी कई अन्य बीमारियां भी आम होती जा रही हैं। प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति के अनुसार भोजन में सभी तत्वों का संतुलन बनाए रखने के लिए अंकुरित आहार का प्रयोग किया जा सकता है। आयुर्वेद में अंकुरित आहार को अमृताहार की संज्ञा दी गई है। वास्तव में अंकुरित आहार उच्च खाद्य माने जाने वाले पोषक तत्वों का मुख्य स्त्रोत है। अंकुरित आहार क्षारीय प्रकृति के होते हैं। शरीर को शुद्ध करना, स्वास्थ्य के सुधार और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में अंकुरित आहार विशेष रूप से सहायक होता है। दैनिक आहार में अंकुरित अनाज का समावेश किया जाना लाभकारी होता है क्योंकि इससे आहार का पोषण मूल्य बढ़ता है।

अच्छे स्वास्थ्य के लिए हमारे भोजन का अस्सी प्रतिशत भाग क्षारीय तथा बीस प्रतिशत भाग अम्लीय होना चाहिए। इस संतुलन को बनाए रखने के लिए भोजन में कच्चे आहार तथा अंकुरित आहार का प्रयोग सर्वोत्तम माना गया है। हम सभी के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक ही है कि अंकुरित आहार में पोषण के तत्व कैसे पैदा होते हैं? दरअसल सभी बीज सामान्य रूप से निष्क्रिय अवस्था में पड़े रहते हैं। इन बीजों के अंदर संरक्षित जीवन की उत्पत्ति के कारक तत्व अनुकूल परिस्थितियां पाते ही सक्रिय हो जाते हैं। अमृताहार में बीजों तथा दालों के अंदर स्थित निष्क्रिय तत्वों को सक्रिय कर आहार के रूप में प्रयोग किया जाता है।

आधुनिक प्रयोगों से यह सिद्ध हो चुका है कि एक बीज के भीतर एक पूरा जीवन छिपा होता है। इसमें वे सभी तत्व संग्रहित होते हैं जो पौधे का जीवन चलाते हैं। यही तत्व हमारे शरीर के लिए भी आवश्यक होते हैं यही कारण है कि अंकुरित बीजों को लिविंग फूड भी कहा जाता है। विभिन्न अनाजों व दालों को पानी में भिगो देने पर उनके अंदर स्थित सभी तत्व सक्रिय हो जाते हैं। इससे बीज में अनेक रासायनिक परिवर्तन आते हैं। अंकुरण की अवस्था में बीजों में विटामिन सी, आयरन, विटामिन सी तथा फास्फोरस की मात्रा कई गुना बढ़ जाती है। इतना ही नहीं अंकुरण के बाद कुछ ऐसे तत्वों की मात्रा में कमी आती है जो शरीर के लिए हानिकारक होते हैं, इस प्रकार के तत्वों में ओलिगासैकराइड्स प्रमुख है।

अंकुरण के बाद विभिन्न दालों में पाया जाने वाला स्टार्च, ग्लूकोज में तथा फ्राक्टोज, माल्टोज में बदल जाता है। इससे इनका स्वाद तो बढ़ता ही है साथ ही वे सुपाच्य भी हो जाती हैं। इसी प्रकार की प्रक्रिया अनाज में भी होती है। परिवर्तन की यह प्रक्रिया अनाज में तीव्र तथा दालों में कुछ धीमी गति से होती है। अमृताहार बनाने के लिए चना, मूंग, राजमा, मेथी, सोंठ, लोबिया, सोयाबीन, सूर्यमुखी तथा गेहूं के बीजों को प्रयोग किया जाता है। इनके अतिरिक्त अन्य दालों को भी अंकुरित कर प्रयोग किया जा सकता है। अंकुरित करने के लिए बीजों को अच्छी तरह धोकर जार या किसी अन्य बर्तन में दस-बारह घंटों के लिए भिगो देना चाहिए। बीजों को भिगोने के लिए इतना पानी जरूर डालें कि उसमें बीज पूरी तरह डूब जाएं। अच्छी तरह भीगे हुए बीजों को पानी से दोबारा अच्छी तरह धोकर साफ सूती कपड़े की एक पोटली में टांग दें। इस तरह से भीगे हुए बीजों का अंकुरण लगभग 24 घंटे में हो जाता है। गर्मियों में यह ध्यान रखना जरूरी है कि लटकाई गई पोटली सूखे नहीं इसके लिए थोड़ी-थोड़ी देर में उस पर पानी का छिड़काव करते रहें जिससे पोटली में नमी बनी रहे।

अंकुरित बीजों को कच्चा ही खाना चाहिए क्योंकि पकाने से उनके पोषक तत्व नष्ट हो जाते हैं। इन बीजों का स्वाद कुछ कसैला होता है इसलिए उनमें नमक, टमाटर, खीरा, नींबू आदि डाला जा सकता है, इससे उनका स्वाद बढ़ जाता है। अंकुरित बीजों के प्रयोग से कमजोरी तथा कई प्रकार के रोग दूर होने के साथ-साथ शरीर को उचित पोषण भी मिलता है। इनसे हमारा इक्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। नशाखोरी तथा मद्यपान की लत छुड़ाने में भी यह अमृताहार सहायक होता है।

तीन प्रकार के बीजों को प्रयोग मुख्यत: किया जाता है जिसमें से चयन रोग के आधार पर किया जाता है। मधुमेह के रोगियों के लिए चना व मेथी, हृदय रोगियों के लिए चना तथा मूंग और बढ़ते बच्चों व माताओं के लिए अंगूर, बादाम व खजूर। सामान्य व्यक्ति किसी भी प्रकार के अमृताहार का प्रयोग कर सकता है। नियमित सेवन से रक्त अल्पता, हड्डियों की बीमारियां, मानसिक तनाव, कब्ज, अनिद्रा, बवासीर, मोटापा तथा पेट के कई रोगों से छुटकारा मिल जाता है। अंकुरण के लिए ताजा तथा स्वस्थ बीजों का ही प्रयोग किया जाना चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखें कि अंकुरण पुराना, दुर्गन्धयुक्त या बासी न हो।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**